राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,16 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –170 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चुनाव आयुक्त अशोक लवासा बनेंगे एडीबी के उपाध्यक्ष, कार्यकाल पूरा होने से पहले मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

चुनाव आयुक्त अशोक लवासा को बुधवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने उपाध्यक्ष बनाने की घोषणा की। बैंक का मुख्यालय मनीला में है। चुनाव आयोग में लवासा का कार्यकाल अक्टूबर 2022 तक है। तब तक वह मुख्य चुनाव आयुक्त के पद तक पहुंच सकते थे। वह एडीबी में जाने पर कार्यकाल के बीच में आयोग छोड़ने वाले दूसरे चुनाव आयुक्त होंगे। फिलीपींस स्थित एडीबी ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है, ''एडीबी ने अशोक लवासा को निजी क्षेत्र और सार्वजनिक- निजी भागीदारी के कारोबार के लिये उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह दिवाकर गुप्ता का स्थान लेंगे जो कि 31 अगस्त को सेवानिवृत हो रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि उनकी एडीबी के उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्त भारत सरकार की सिफारिश पर हुई है। एडीबी और अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों के कामकाज की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय संस्था तब तक किसी की नियुक्ति की घोषणा नहीं करती हैं जब तक कि वह व्यक्ति जिसे नियुक्त किया जा रहा है अपनी स्वीकृति नहीं दे देता है। इसके साथ ही बहुपक्षीय एजेंसियों में उच्चस्तर पर कोई भी नियुक्ति सरकार की सहमति के बिना भी नहीं होती हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि लवासा ने अभी इस्तीफा नहीं दिया है। उन्हें एडीबी में सितंबर में कार्यभार संभालना है। इससे पहले वर्ष 1973 में मुख्य चुनाव आयुक्त नगेन्द्र सिंह को इस्तीफा देना पड़ा था। उन्हें हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। लवासा ने 23 जनवरी 2018 को चुनाव आयुक्त का कार्यभार संभाला था। वह मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा के बाद अगले साल अप्रैल में मुख्य चुनाव आयुक्त बन सकते थे। ऐसे में आयोग उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा सहित अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव करता। लवासा के बाद आयुक्त सुशील चंद्र मुख्य चुनाव आयुक्त के पद के दावेदार होंगे। चुनाव आयोग (चुनावा आयुक्तों की सेवा शर्तों और कामकाज) अधिनियम 1991 के प्रावधानों के मुताबिक कोई भी चुनाव आयुक्त अथवा मुख्य चुनाव आयुक्त अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज सकता है। लवासा वर्ष 2019 में उस समय सुर्खियों में आए जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को चुनाव आचार संहिता नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में क्लीन चिट दिए जाने के मामले में उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को अपना असहमति नोट दिया था। चुनाव समाप्त होते ही लवासा की पत्नी सहित उनके परिवार के तीन सदस्य आय की घोषणा नहीं करने और कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति के मामले में आयकर विभाग की जांच के घेरे में आ गए। एडीबी उपाध्यक्ष की नियुक्त तीन साल के लिए करती है जिसे दो साल और बढ़ाया जा सकता है। एडीबी के अध्यक्ष छह उपाध्यक्षों के साथ प्रबंधन टीम का नेतृत्व करते हैं।

आस्ट्रेलिया की सदर्न क्रास यूनिवर्सिटी से एमबीए डिग्री धारक, मद्रास यूनिवर्सिटी से रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन में एमफिल डिग्रीधारक लवासा 1980 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के हरियाणा कैडर के अधिकारी है। वह वित्त सचिव के पद से सेवानिवृत हुए थे। एडीबी ने कहा है कि लवासा भारतीय सिविल सेवा के क्षेत्र में बेहतर करियर रहा है।

संदिग्ध हालत में मृत मिली दिल्ली पुलिस महिला कॉन्स्टेबल, हत्या की आशंका

नई दिल्ली।

तिहाड़ जेल में तैनात दिल्ली पुलिस की एक 23 वर्षीय महिला कांस्टेबल बुधवार को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम गांव में अपने किराए के आवास पर मृत पाई गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को शक है कि पीड़िता के किसी परिचित ने ही उसकी हत्या की होगी। उन्होंने बताया कि उसके माता-पिता हरियाणा के रेवाड़ी जिले में रहते थे जबकि वह किराए के मकान में दिल्ली में रहती थी। वह 2018 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुई और वर्तमान में दिल्ली सशस्त्र पुलिस की तीसरी बटालियन के साथ तैनात थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे तिहाड़ जेल में ड्यूटी अधिकारी के कार्यालय में रोजनामचा भरने के काम पर लगाया गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पश्चिम) देवेंद्र आर्य ने कहा, ''मौके पर पहुंचने पर, पुलिस को महिला कांस्टेबल का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। अपराध टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने तिहाड़ जेल में एक बजे से सात बजे की शिफ्ट में काम किया। उसने मंगलवार को तिहाड़ में ड्यूटी की और शाम सात बजे अपनी शिफ्ट पूरी करने के बाद घर के लिए रवाना हो गई। पुलिस अपराधी को पकड़ने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने कहा कि मौत के कारण का पता पोस्टमार्टम के बाद चल जाएगा।

देश में 22 राज्य रोजाना प्रति 10 लाख आबादी पर 140 से ज्यादा जांच कर रहे : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 'व्यापक जांच करने के लिए किए गए मागदर्शन के अनुरूप 22 राज्य रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर कोविड-19 की 140 से ज्यादा जांच कर रहे हैं। उन्होंने बाकी राज्यों को भी इसी तर्ज पर जांच बढ़ाने की सलाह दी। क्या देश में पर्याप्त जांच हो रही है, इस पर स्वास्थ्य मंत्रालय में 'ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी राजेश भूषण ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के परामर्श नोट के अनुसार व्यापक जांच निगरानी और संदिग्ध मामलों की जांच की जरूरत पर जोर दिया गया है। भूषण ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उसी दस्तावेज में व्यापक (कॉम्प्रिहेंसिव) को इस तरह परिभाषित किया गया है कि अगर आप हर दिन प्रति 10 लाख लोगों पर 140 लोगों की जांच करते हैं तो यह व्यापक जांच है। उन्होंने कहा, ''22 राज्य डब्ल्यूएचओ के निर्देश के अनुरूप रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर 140 से ज्यादा जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर करीब 201 जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर 1058 जांच के साथ गोवा सूची में शीर्ष पर है। जबकि, रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर दिल्ली में 978, तमिलनाडु में 563, असम में 310, कर्नाटक में 297, मध्यप्रदेश में 249, झारखंड में 242, राजस्थान में 235, महाराष्ट्र में 198 जांच हो रही है। उन्होंने कहा, ''लेकिन सारे राज्य इसी दर से जांच नहीं कर रहे है। हमने बाकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी डब्ल्यूएचओ के मार्गदर्शन के अनुरूप जांच बढ़ाने को कहा है।

राजस्थान में भाजपा सरकार गिराने में रही नाकामः कांग्रेस

जयपुर ।

कांग्रेस पार्टी ने बागी हुए सचिन पायलट को स्पष्ट संकेत देते हुए बुधवार को कहा कि अगर वह भाजपा में नहीं जाना चाहते तो हरियाणा में भाजपा सरकार का आतिथ्य त्याग दें और वापस अपने घर जयपुर लौट आएं। इसके साथ ही कांग्रेस की ओर से पायलट को याद दिलाया गया है कि नेता के रूप में उन्हें जितना प्रोत्साहन पार्टी ने दिया वैसा कांग्रेस या भाजपा में शायद ही किसी नेता को मिला हो। राज्य की अशोक गहलोत सरकार से बगावत कर पायलट तथा कुछ विधायक हरियाणा में मानेसर के दो होटलों में रुके हैं। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद पायलट ने बुधवार को कहा कि वह भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने मीडिया में हमारे युवा साथी सचिन पायलट का बयान देखा है कि वह भाजपा में नहीं जाना चाहते या नहीं जाएंगे। हम हमारे युवा साथी सचिन पायलट और कांग्रेस विधायकों से कहेंगे कि अगर आप भाजपा में नहीं जाना चाहते तो फिर भाजपा की हरियाणा सरकार का आतिथ्य फौरन अस्वीकार कीजिए। उन्होंने कहा, ''अगर आप भाजपा में नहीं जाना चाहते तो मनोहर लाल खट्टर की भाजपा सरकार के सुरक्षा चक्र को तोड़कर उनके चंगुल से बाहर से आइए। सुरजेवाला ने पायलट और अन्य (बागी) विधायकों से कहा, ''भाजपा के किसी भी नेता से वार्तालाप और चर्चा बंद कर दीजिए। परिवार के सदस्य की तरह अपने घर वापस जयपुर लौट आए। रास्ते से भटके हुए हर कांग्रेस विधायक को मेरी राय है कि परिवार के सदस्य को कभी परिवार में वापस आने से गुरेज नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही सुरजेवाला ने इन लोगों से कहा कि वे मीडिया के जरिए वार्तालाप बंद करें। सुरजेवाला ने कहा, ''अपने परिवार में वापस आइए, परिवार में बैठिए ओर परिवार में अपनी बात रखिए। यही पार्टी के प्रति, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति सच्ची निष्ठा होगी और आपके विश्वास तथा प्रतिबद्धता का सबसे बड़ा सबूत होगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक संकट में बीते चार पांच दिन में पार्टी ने पायलट और अन्य विधायकों को कई बार मौका दिया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''हमने पायलट और अन्य विधायकों से बार-बार यह आग्रह किया कि आप वापस आइए और अपनी बात पार्टी के मंच पर रखिए और अगर कोई समस्या है तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व पूरे उदार हृदय और खुले मन से आपकी बात सुनने तथा उसका हल निकालने के लिए तैयार है। सुरजेवाला ने कहा, ''हमने पायलट और अन्य बागी विधायकों को कई बार विधायक दल की बैठक में आने का निमंत्रण दिया और यह कहा कि अगर आपको यह लगता है कि कांग्रेस विधायक दल का बहुमत आपके पास है तो आइए और कांग्रेस विधायक दल में अपना बहुमत साबित कीजिए और जो अपना अधिकार है वह ले लीजिए। उन्होंने कहा कि लेकिन न तो ये लोग विधायक दल की दोनों बैठकों में आए और न ही भाजपा सरकार की मेजबानी से निकलकर सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस में अपनी निष्ठा जताई। सुरजेवाला ने कहा कि इसके चलते पार्टी को मंगलवार को भारी मन से इनके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी। पार्टी ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में शामिल होने के आरोप में पायलट और दो और मंत्रियों विश्वेंद्र सिंह तथा रमेश मीणा को मंगलवार को उनके पदों से बर्खास्त कर दिया था। पायलट को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने पायलट को बहुत युवा उम्र में ही अनेक पदों पर नियुक्त कर आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस या भाजपा में शायद ही ऐसा कोई राजनेता होगा जिसे उसके दल ने इतना प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाया हो।

संक्षिप्त समाचार

समिट को पीएम मोदी ने किया संबोधित, कहा- हमारी सहभागिता विश्व शांति और स्थिरता के लिए उपयोगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के संबंधों के और अधिक विस्तार के मसयबद्ध कार्यक्रम के लिए एक ''कार्रवाई- उन्मुख एजेंडा तैयार किये जाने पर जोर दिया। मोदी ने 15वें ईयू- भारत शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कहा कि वह ईयू के साथ भारत के संबंधों को बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आपसी रिश्तों को बढ़ावा देने के लिये एक दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिये। मोदी ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित इस सम्मेलन में कहा, ''हमें आपसी रिश्तों का विस्तार करने का काम तय समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए एक कार्रवाई- उन्मुख एजेंडा तैयार करना चाहिये। प्रधानमंत्री ने ईयू और भारत को ''स्वाभाविक भागीदार बताते हुये हा कि यह भागीदारी दुनिया में शांति और स्थायित्व के लिये फायदेमंद है। उन्होंने कहा, ''भारत और यूरोपीय संघ दोनों हीसार्वभौमिक मूल्यों में विश्वास रखते हैं। दोनों की लोकतंत्र, बहुलवाद, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सम्मान, समावेशी, बहुपक्षवाद, स्वतंत्रता और पारदर्शिता जैसे मूल्यों में आस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत- ईयू की भागीदारी आर्थिक पुनर्निर्माण और मानव- केन्द्रित वैश्वीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शिखर सम्मेलन में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स माइकल और यूरोपीय आयोग की अध्यक्षा ऊर्सुला वान डेर लेयेन ने किया। ईयू भारत के लिये रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण समूह है। ईयू एक समूह के तौर पर 2018 में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था। वर्ष 2018- 19 में भारत का ईयू के साथ द्विपक्षीय व्यापार 115.6 अरब डालर का रहा। इसमें भारत से निर्यात 57.17 अरब डालर और आयात 58.42 अरब डालर का रहा।

पायलट की बगावत पर राहुल की दो टूक, बोले-जो जाना चाहता है जा सकता है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पार्टी की छात्र इकाई एनएसयूआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ डिजिटल बैठक के दौरान कहा कि जिसे पार्टी से जाना है वो जाएगा, लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने यह टिप्पणी करते हुए किसी नेता का नाम नहीं लिया। हालांकि, राहुल गांधी की इस टिप्पणी को राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत से जोड़कर देखा जा रहा है। एनएसयूआई से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि जिसे पार्टी छोड़कर जाना है वो जाएगा ही,आप लोगों को घबराना नहीं है। जब कोई बड़ा नेता पार्टी छोड़कर जाता है आप लोगों को घबराना नहीं है। जब कोई बड़ा नेता पार्टी छोड़कर जाता है तो जैसे लोगों के लिए रास्ते खुलते हैं। इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे।

गृह मंत्री शाह बोले- महिलाओं, बच्चों की सुरक्षा मोदी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा नरेंद्र मोदी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। साइबर अपराध ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए कुछ महीने पहले सरकार द्वारा एक पोर्टल शुरू किए जाने के मद्देनजर गृह मंत्री की यह टिप्पणी आई है। उन्होंने ट्वीट किया, ''महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मोदी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए साइबरक्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर एक विशेष प्रावधान भी है। आप इस तरह की कोई घटना दर्ज कराने के लिए पोर्टल पर जा सकते हैं। साइबर अपराध की शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को प्रोत्साहित करने की खातिर यह पोर्टल केंद्र सरकार की एक पहल है। इस पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायतों का निस्तारण शिकायत में उपलब्ध सूचना के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियां और पुलिस करती है। एक अधिकारी ने बताया कि शीघ्र कार्रवाई के लिए यह जरूरी है कि सही और सटीक ब्योरा मुहैया कराया जाए। एक अधिकारी ने बताया कि शीघ्र कार्रवाई के लिए यह जरूरी है कि सही और सटीक ब्योरा मुहैया कराया जाए।

300 करोड़ तक के हथियार अपने स्तर पर खरीद सकेगी सेना, मिला अधिकार

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्रालय ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के मद्देनजर बुधवार को सेना के तीनों अंगों को 300 करोड़ रुपये तक की पूंजीगत खरीद का विशेष अधिकार प्रदान कर दिया जिससे कि उभरती आपात अभियानगत आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि खरीद से संबंधित चीजों की संख्या को लेकर कोई सीमा नहीं है और आपात आवश्यकता श्रेणी के तहत प्रत्येक खरीद 300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नहीं होनी चाहिए। यह निर्णय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक में हुआ। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''डीएसी ने 300 करोड़ रुपये तक की तात्कालिक पूंजीगत खरीद से जुड़े मामलों को आगे बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को अधिकार प्रदान कर दिए जिससे कि वे अपनी आपात अभियानगत जरूरतों को पूरा कर सकें। इसने कहा कि इस निर्णय के बाद खरीद से जुड़ी समयसीमा कम हो जाएगी और इससे खरीद के लिए छह महीने के भीतर ऑर्डर देना तथा एक साल के भीतर संबंधित वस्तुओं की उपलब्धता की शुरुआत सुनिश्चित होगी।

मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति तथा देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सशस्त्र पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के बीच सेना के तीनों अंगों ने पिछले कुछ सप्ताहों में कई तरह के सैन्य उपकरणों, अस्त्र-शस्त्रों और सैन्य प्रणालियों की खरीद शुरू कर दी है।

इजरायल से हेरॉन ड्रोन और स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल खरीदेंगी भारतीय सेनाएं

नेशनल डेस्क। एलएसी पर चीन के साथ तनाव भले ही कम होता दिख रहा हो लेकिन भारत अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं रखना चाहता। यही वजह है कि भारत सरकार द्वारा आवंटित किए इमरजेंसी फंड से अब पूर्वी लद्दाख बॉर्डर के लिए सेनाएं इजरायरल से हेरॉन सर्विलांस ड्रोन और स्पाइक एंटी मिसाइल खरीदेंगी। अन्मैंड एरियल व्हीकल का इस्तेमाल तीनों भारतीय सेनाओं द्वारा पहले से भी किया जा रहा है। सरकार के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया है कि वर्तमान स्थितियों को देखते हुए हेरॉन यूएवी की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसी वजह से हम और ज्यादा संख्या में हेरॉन यूएवी का ऑर्डर देने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि कुल कितने हेरॉन मंगाए जाएंगे। गौरतलब है कि हेरॉन का इस्तेमाल वर्तमान में भारत की तीनों सेनाएं कर रही हैं। अब वायु सेना ड्रोन के आर्म्ड वर्जन पर भी काम कर रही है। दूसरी तरफ आर्मी भी इजरायल से स्पाइक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल खरीदने पर विचार कर रही है। इन मिसाइलों की एक खेप भारत के पास बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भी आई थी। पिछली बार सेना को 12 लॉन्चर और 200 स्पाइक मिसाइलें मिली थीं। सूत्रों का कहना है कि अब हम एंटी टैंक मिसाइल की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। इस बीच भी पोर्टेबेल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल तैयार कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ से एक पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पार कर भारत की तरफ आने वाले पाकिस्तान के 28 साल के एक व्यक्ति को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुंछ जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश अंग्राल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के नाक्याल गांव के रहने वाले अब्दुल रहमान को भारत के हिस्से में आने के तुरंत बाद बालाकोट सेक्टर से गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति से विस्तृत पूछताछ से पहले उसकी कोविड-19 जांच कराई जाएगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुछ ग्रामीण नियंत्रण रेखा के निकट मवेशी चरा रहे थे तभी उन्होंने व्यक्ति को भरोती गांव की तरफ आते देखा जिसके बाद उन्होंने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। व्यक्ति को पुछताछ के लिए बालाकोट चौकी ले जाया गया है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। व्यक्ति को पुछताछ के लिए बालाकोट चौकी ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई ।

लद्दाख में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान की शाखा स्थापित होगी : उपराज्यपाल माथुर

लेह । लद्दाख के उपराज्यपाल आर. के. माथुर ने बुधवार को कहा कि केन्द्र शासित प्रदेश में जल्दी ही राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान की एक शाखा खुलने वाली है। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तहत आता है जिसका मुख्य लक्ष्य युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्यमों के लिहाज से कुशल बनाना है ताकि वे बेहतर जीविका कमा सकें। विश्व युवा कौशल दिवस पर इस आशय की घोषणा करते हुए माथुर ने कहा कि संस्थान की शाखा लद्दाख के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल सिखाएगी ताकि वे बेहतर जीविका अर्जित कर सकें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राजस्थान का सत्ता संग्राम

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस जिन राज्यों से अपने वर्तमान के लिए थोड़ी सांत्वना और भविष्य की खातिर कुछ राजनीतिक साहस बटोर सकती थी, वहां भी संगठन और सरकार के भीतर की खींचतान उसकी उम्मीदों पर पानी फेरती दिख रही है। मध्य प्रदेश के बाद अब राजस्थान में भी पार्टी की अंदरूनी कलह अपने चरम पर है। वहां भी एक युवा नेता की बगावत ने उसकी राज्य सरकार के भविष्य पर फिलहाल सवाल खड़ा कर दिया है। गहलोत सरकार का क्या होगा, यह तो राजभवन और आगे के घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा, मगर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने जिन शब्दों में सचिन पायलट के खिलाफ कार्रवाई का एलान किया, उससे यह बिल्कुल साफ हो गया है कि सचिन के प्रति पार्टी नेतृत्व की सहानुभूति खत्म हो चुकी है और अब गेंद पूरी तरह से उनके ही पाले में धकेल दी गई है। सचिन के साथ उनके दो बेहद करीबी मंत्रियों को भी सरकार से बाहर कर दिया गया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान, दोनों जगहों पर चुनाव परिणाम के बाद मुख्यमंत्री के चयन में कांग्रेस नेतृत्व को खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। तब कमलनाथ और अशोक गहलोत में भरोसा जताकर पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की थी कि लोकसभा चुनाव सामने है, और ये दोनों अनुभवी नेता पार्टी के लिए उपयोगी साबित होंगे। मगर दोनों ही राज्यों में ये नेता इस कसौटी पर खरा नहीं उतरे। ऐसे में, युवा नेताओं की महत्वाकांक्षाओं का फिर से जोर मारना लाजिमी था। मगर आम चुनाव में मिली हार से निराश युवा नेताओं को सही दिशा देने की बजाय पार्टी शीर्ष स्तर पर खुद ही दिशाहीन नजर आने लगी। राहुल गांधी के पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने का भी इन युवा नेताओं में अच्छा संदेश नहीं गया। कर्नाटक और मध्य प्रदेश में सरकार गंवाने के बाद पार्टी नेतृत्व को अधिक सक्रियता के साथ संगठन की कमजोर कड़ियों को कसने की जरूरत थी। मगर राजस्थान का ताजा घटनाक्रम बता रहा है कि अभी भी विभिन्न स्तरों पर पार्टी में संवादहीनता की स्थिति है। कांग्रेस के भीतर जो संकट आज दिख रहा है, वह दरअसल भारतीय लोकतंत्र का संकट बन चुका है। लगभग सभी बड़े राजनीतिक दलों में विधायकों की पसंद के ऊपर अब आलाकमान की इच्छा को तरजीह मिलने लगी है। जब तक आलाकमान मजबूत स्थिति में हो, तब तक क्षत्रप अपनी महत्वाकांक्षाओं को दबाए-छिपाए रखते हैं, पर उसके कमजोर पड़ते ही सब ताल ठोकने लग जाते हैं। इस हालत के लिए भी कांग्रेस किसी अन्य दल को दोष नहीं दे सकती। इसके नौजवान जमीनी नेता जिस तरह पार्टी से एक-एक कर किनारा करते जा रहे हैं, या फिर राजनीतिक रूप से हाशिये पर धकेले जा रहे हैं, क्या इसके बावजूद वह बेहतर कल के सपने देख सकती है? और वह भी तब, जब उसके सामने नरेंद्र मोदी की भाजपा है? कांग्रेस को अपना घर दुरुस्त करने की जरूरत है। एक ऐसे वक्त में, जब राजस्थान की जनता को अपनी सरकार से चरम प्रशासनिक सक्रियता की दरकार है, वह रिजॉर्ट और राजभवन के बीच परेड कर रही है। वहां की जनता के प्रति सबसे अधिक जवाबदेही कांग्रेस पार्टी की बनती है, आखिरकार उसने सत्ता उसे ही सौंपी है। लेकिन सत्ता के इर्द-गिर्द डोलती राजनीति या राजनेता अब कहां इन बातों का बहुत ख्याल करते हैं?

वैक्सीन से पहले एंटीबॉडी थेरैपी की दस्तक

मुकुल व्यास

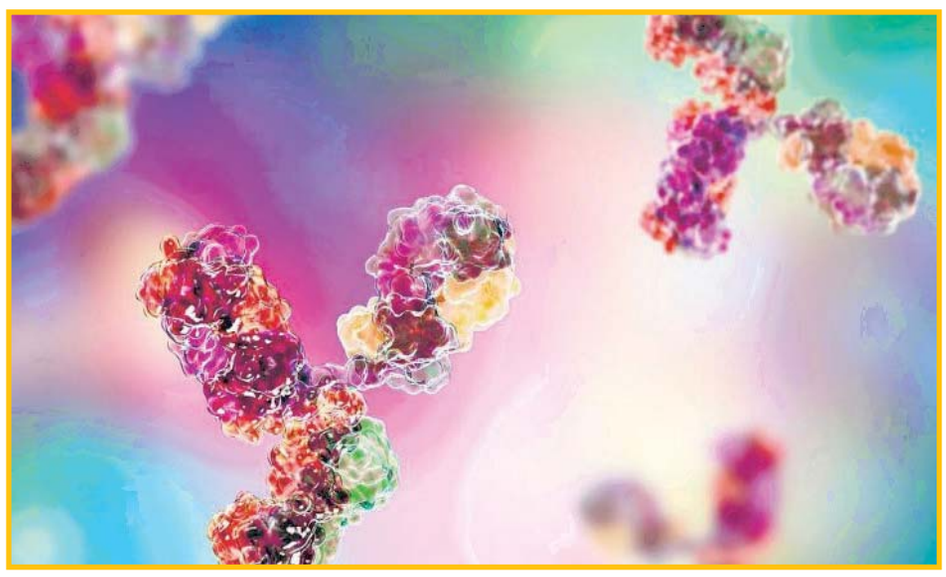

दुनिया इस समय कोरोना वायरस के खिलाफ एक बड़ी जंग लड़ रही है। अन्य बीमारियों की तुलना में कोविड-19 पर सबसे ज्यादा रिसर्च हो रही है। वैज्ञानिकों का मुख्य फोकस वैक्सीन बनाने पर है लेकिन वैक्सीन के उपलब्ध होने की कोई समय सीमा नहीं है। इस अनिश्चितता की वजह से बहुत से वैज्ञानिक कोरोना के वैकल्पिक उपचार के लिए एंटीबॉडी थेरैपी पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एंटीबॉडी दवाओं के बारे में प्रयोगशालाओं से मिल रही रिपोर्टें काफी उत्साहवर्धक हैं। इन दवाओं के विकास में प्रगति को देखते हुए कुछ वैज्ञानिकों का ख्याल है कि इस साल वैक्सीन से पहले ही एंटीबॉडी ट्रीटमेंट उपलब्ध हो सकता है। ध्यान रहे कि हमारा शरीर संक्रमण से लड़ने के लिए प्रतिरोधी तत्व उत्पन्न करता है, जिसे हम एंटीबॉडी कहते हैं। वैज्ञानिकों को काफी पहले यह समझ आ गया था कि शरीर के इस कुदरती गुण का उपयोग बीमारियों के इलाज के लिए किया जा सकता है। 1918 में फैली फ्लू की महामारी के दौरान डॉक्टरों ने यह साबित किया कि फ्लू से ठीक होने वाले मरीजों के ब्लड प्लाज्मा से दूसरे मरीजों को ठीक किया जा सकता है। यह प्लाज्मा एंटीबॉडीज से भरपूर होता है। मेर्स और सार्स जैसी महामारियों में प्लाज्मा थिरेपी काफी उपयोगी सिद्ध हुई थी। अब कोविड-19 के गंभीर मामलों में भारत सहित कई देश प्लाज्मा ट्रीटमेंट का सहारा ले रहे हैं और इसमें उन्हें सफलता भी मिल रही है। वैक्सीन की तुलना में एंटीबॉडी थेरैपी एक अस्थायी उपचार है। वैक्सीन का फायदा यह है कि इसका असर लंबे समय तक रहता है लेकिन एंटीबॉडी ट्रीटमेंट का असर महीने-दो-महीने तक ही रहता है। हैल्थ वर्कर्स और क्रोनिक बीमारियों वाले मरीजों को वायरस से बचाव के लिए यह थेरैपी बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। कोविड के मरीजों के इलाज में भी एंटीबॉडी थेरैपी का उपयोग हो सकता है। अमेरिका में कोविड के इलाज के लिए करीब 100 दवाएं इस समय विकास के विभिन्न चरणों में हैं। एंटीबॉडी ट्रीटमेंट के लिए वैज्ञानिक 'मोनोकलोनल' एंटीबॉडीज, प्लाज्मा और हाइपरइम्यून ग्लोबुलिन पर रिसर्च कर रहे हैं। इन सभी में एंटीबॉडी को वायरस के खिलाफ लक्षित किया जाता है। एंटीबॉडी से बनी दवाओं पर अमेरिका में परीक्षण आरंभ हो चुके हैं। मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज को लेकर चार ट्रीटमेंट पर जून में ट्रायल शुरू किए गए। इनमें से दो परीक्षण इंडियानापोलिस स्थित फार्मा कंपनी, इली लिली द्वारा किए जा रहे हैं। लिली द्वारा विकसित एंटीबॉडी का नाम एलवाई-सीओवी 555 है। अस्पताल से बाहर के मरीजों पर इस एंटीबॉडी का दूसरे चरण का ट्रायल चल रहा है। कोविड-19 की रोकथाम और उसके इलाज के लिए एक 'एंटीबॉडी कॉकटेल' तैयार की गई है। इस दवा का ट्रायल तीसरे चरण में पहुंच गया है। वैज्ञानिकों को इस दवा से बहुत उम्मीदें हैं।

कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद शरीर 'वाई' आकार की एंटीबॉडीज उत्पन्न करता है जो वायरस को जकड़ कर उसे नष्ट करने के लिए चिन्हित करती है या उसे स्वस्थ कोशिकाओं को संक्रमित करने में अक्षम बना देती है। कोविड से ठीक होने वाले लोगों के शरीर से ये एंटीबॉडीज निकाल कर उन्हें कोविड पीड़ित व्यक्ति को दिया जाता है ताकि उसकी प्रतिरोधी प्रणाली मजबूत हो जाए। इस उपचार को 'कोंवलेसेंट प्लाज्मा थेरैपी' कहा जाता है। लेकिन प्लाज्मा थेरैपी की अपनी कुछ सीमाएं हैं। विभिन्न मरीजों से लिए गए प्लाज्मा में विभिन्न एंटीबॉडीज का मिश्रण होता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल वायरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार इनमें से कुछ एंटीबॉडीज वायरस को स्वस्थ कोशिकाओं में दाखिल होने से रोकती हैं जबकि कुछ एंटीबॉडीज खुद संक्रमण न रोक कर दूसरे इम्यून मॉलिक्यूल्स को संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट करने के निर्देश देती हैं। प्लाज्मा थेरैपी की इन सीमाओं से निपटने और प्लाज्मा की सीमित सप्लाई पर निर्भरता कम करने के लिए दवा निर्माताओं का ध्यान मोनॉक्लोनल एंटीबॉडीज पर गया है। ये एंटीबॉडीज कोरोना जैसे वायरसों को निशाना बना सकती हैं और लैब में इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है। इन एंटीबॉडीज पर आधारित नई थेरैपी के क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे चरण में यह पता लगाया जाएगा कि क्या इस ट्रीटमेंट से उन लोगों में इंफेक्शन रोका जा सकता है जो कोरोना संक्रमित व्यक्ति के नजदीकी संपर्क में आए थे। 'आरईजीएन-सीओवी2' नामक इस थेरैपी के ट्रायल में अमेरिका में 100 स्थानों पर 2000 पार्टिसिपेंट्स को यह दवा या प्लेसिबो दवा दी जाएगी। यह दवा बनाने वाली बायोटेक कम्पनी रिजेनेरॉन फार्मास्यूटिकल का कहना है कि इस ट्रायल से पता चलेगा कि प्लेसिबो दवा की तुलना में यह दवा कितनी कारगर है और क्या इससे कोई सेफ्टी संबंधी समस्या तो नहीं खड़ी होती। यह ट्रायल अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शंस डिजीज के साथ मिल कर चलाया जा रहा है। आरईजीएन- सीओवी 2 नामक दवा में दो एंटीबॉडीज का मिश्रण है जो कॉरोना वायरस की स्वस्थ कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता में रुकावट डालता है। ये दो एंटीबॉडीज वायरस की सतह पर मौजूद स्पाइक प्रोटीन को जकड़ लेती है। ध्यान रहे कि वायरस इसी स्पाइक प्रोटीन की मदद से स्वस्थ कोशिकाओं में दाखिल होकर संक्रमण फैलाता है। रिजेनेरॉन के वैज्ञानिकों ने इन दोनों एंटीबॉडीज को खोजने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित किए गए चूहों पर अध्ययन किया और कोविड-19 से ठीक होने वाले मरीजों से एंटीबॉडीज निकालीं। तीसरे चरण के ट्रायल में मुख्य रूप से यह देखा जाएगा कि क्या एंटीबॉडी कॉकटेल का उपयोग रोग-निरोधक दवा के रूप में किया जा सकता है और क्या इसे उन लोगों को भी दिया जा सकता है जो पहले से कोविड-19 से पीड़ित हैं। सिंगापुर स्थित टाइचेन नामक बायोटेक कंपनी ने भी एंटीबॉडी को लेकर परीक्षण आरंभ किए हैं। इस समय वहां अस्पताल में दाखिल मरीजों पर दूसरे चरण का ट्रायल आरंभ किया गया है जो छह हफ्ते तक चलेगा।

इन ट्रायलों में यदि प्रगति जारी रही तो सितंबर-अक्तूबर तक पहला एंटीबॉडी ट्रीटमेंट उपलब्ध हो सकता है, हालांकि कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि वास्तविक जीवन में हर चीज योजना के अनुरूप नहीं होती। कभी-कभी जो एंटीबॉडी प्रयोगशाला में वायरस के खिलाफ असरदार साबित होती है, वह जानवरों के मॉडल में या मनुष्यों पर कोई प्रभाव नहीं दिखाती। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

घुंघट

मास्क लगाकर दो महीने में ही थक गया वो आदमी जो कहता था कि 'औरत' को हमेशा 'घुंघट' में रहना चाहिए !!

-- गीता फोगाट

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और संपन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व संपन्न रह सकता है। एक व्यक्ति बेईमानी करता है और उसकी देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेईमानी करने लगें तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अंतर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी कहा जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है। सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई हैं। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अंतरात्मा की साक्षी ले ली जाए। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक-धक् करने लगता है। शरीर से पसीना छूटता है, ऐसा प्रतीत होता है कि कोई उसे इस कार्य के लिए रोक रहा है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए। जिस काम को करने में अंदर से प्रसन्नता और आनंद महसूस न हो, समझना चाहिए वह काम नैतिकता के अंतर्गत नहीं है, उसे त्याग देना चाहिए।

संवेदनशील नज़रिये से समाधान तलाशे सरकार

जगमति सांगवान

पिछले दिनों हरियाणा में 1983 फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर लगभग एक दशक से स्थाई अध्यापकों के तौर पर काम कर रहे थे, नौकरी से हटा दिए गए। उन्हें सुप्रीमकोर्ट द्वारा चयन प्रक्रिया दोषपूर्ण करार देने के उपरांत 1 जून, 2020 को नौकरी से अपदस्थ कर दिया गया। इससे राज्य के चयन आयोगों जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक सत्ता के दुरुपयोग की कीमत आखिर उन उम्मीदवारों से क्यों वसूली जाए जिन्हें न्यायालय ने भी दोषी नहीं ठहराया है। बर्खास्त किए गए हजारों महिला-पुरुष कर्मी कोरोना संकट के बावजूद अनिश्चितकालीन धरनों पर बैठने को मजबूर हैं जिन्हें विभिन्न वर्गों से प्रदेशभर में व्यापक समर्थन मिल रहा है। हटाए गए इन अध्यापकों की औसत आयु 45 से 50 वर्ष है। किसी और नौकरी के लिए अब उनकी उम्र भी निकल चुकी। इनमें अनेक नामी-गिरामी खिलाड़ी भी रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 2018 के 'खेलो इण्डिया' आयोजन में हरियाणा ने 17 साल से नीचे के आयु वर्ग में जो ओवरआल ट्रॉफी जीती, वो इन प्रशिक्षकों की बदौलत ही संभव हुआ। इन खेलों में खिलाड़ियों ने 30 स्वर्ण, 26 रजत व 38 कांस्य पदक समेत 102 पदक प्राप्त कर राज्य का नाम रोशन किया था। अध्यापकों व प्रदेश के जाने-माने खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इनकी नौकरी को बहाल करने की अपील की है। एक्स सर्विसमैन श्रेणी से आने वाले कुछ पीटीआई तो रिटायरमेंट के मुहाने पर बैठे हैं। इनमें से 40 की मृत्यु होने पर उनकी जगह अनुकंपा आधार पर दिये जा रहे वेतन से परिवारों का गुजर-बसर हो रहा है। इनमें से 400 के करीब डीपीई की पोस्ट पर प्रमोट भी हो चुके थे। लगता है कि न्यायालय के संज्ञान में सरकार की ओर से इन दो हजार शिक्षकों के भविष्य पर पड़ने वाले प्रभावों का पक्ष नहीं रखा गया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। इन 2000 अध्यापकों को बर्खास्त करने में हरियाणा सरकार ने इतनी चुस्ती दिखाई कि माननीय सुप्रीमकोर्ट के आदेशों में लॉकडाउन खत्म होने के बाद ही बर्खास्तगी व भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के आदेश की परवाह किए बिना 1 जून को ही सभी को बाहर का रास्ता दिखा दिया। बेहतर होता कि मनोहर लाल सरकार अंतिम कदम उठाने से पहले कम-से-कम ऐसा रास्ता तो निकालने का प्रयास करती कि उन्हें दस साल सरकारी सेवा में रहने के बाद अंधेरे में भटकने को बाध्य नहीं होना पड़ता। प्रदेश में बेरोजगारी का आलम यह है कि पिछले दिनों 18 हजार क्लास-डी की नौकरियों के लिए 23 लाख युवाओं ने आवेदन किया, जिनमें ज्यादातर बीए, एमए और एमएससी तक थे। पीटीआई के भी 1983 पदों के लिए 20860 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। दरअसल, जनप्रतिनिधियों ने जन-सरोकार के मुद्दों से तो गंभीर नाता बनाया ही नहीं। इसी का नतीजा है कि रोजगार जैसे गंभीर मुद्दे को लेकर आज हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व उनके पुत्र जेल की सजा काट रहे हैं। स्वयं वर्तमान सरकार में हायर एजुकेशन काउंसिल के चेयरपर्सन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगने के बाद एफआईआर दर्ज हुई थी। इसी 1 जुलाई को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने 1624 कनिष्ठ अभियंताओं के चयन में हुए भ्रष्टाचार को लेकर हरियाणा सरकार और हरियाणा स्टाफ सलेक्शन कमीशन आदि को नोटिस जारी किया है। पिछले 30-35 साल में तो हालत यह हो चली है कि सरकार नौकरी विज्ञापित करती है, फार्म भरवा कर पैसा वसूल करती है मगर परीक्षा तक भी ठीक से नहीं करवा पाती। अलबत्ता तो उसी स्तर पर पेपर लीक आदि का झमेला हो जाता है वहां से आगे किसी तरह सिलेक्शन लिस्ट आ भी जाए तो कोर्ट में चैलेंज हो जाती है। सालों साल लग जाते हैं जॉइनिंग लेटर तक पहुंचने में। लगता है राज्य के चयन आयोग पूर्णतया राजनीतिक कठपुतलियों में तबदील हो चुके हैं। सरकार को मानवीय आधार पर इन पीटीआई की नौकरी बचाने का तो रास्ता निकालना ही चाहिए इसके साथ-साथ अन्य डिग्री धारक युवाओं को भी खाली पड़ी पोस्ट पर तुरंत नियुक्त करना चाहिए। कहा जा रहा है कि हरियाणा के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह की अगुवाई में एक कमेटी का गठन किया गया है। इसमें संभवतः बर्खास्त अध्यापकों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। आशा की जाती है कि इस पहलकदमी से कोई सकारात्मक व संतोषजनक हल निकले। इसके साथ ही भर्ती आयोगों के गठन व कार्यप्रणाली में बुनियादी बदलाव लाना जरूरी हो चला है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

साबुन, डेटॉल की तरह कीटाणुनाशक है 'सैनिटाइजर', 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि सैनिटाइजर भी साबुन, डेटॉल समेत अन्य के समान कीटाणुनाशक है जिस पर जीएसटी व्यवस्था के तहत 18 प्रतिशत शुल्क लगता है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 'हैंड सैनिटाइजर' के विनिर्माण में उपयोग होने वाले विभिन्न रसायन, पैकिंग सामग्री और कच्चा माल सेवा समेत अन्य पर भी 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है। बयान में कहा गया है, ''सैनिटाइजर भी साबुन, कीटाणुरोधी तरल पदार्थ, डेटॉल समेत अन्य के समान कीटाणुनाशक है जिस पर जीएसटी व्यवस्था के तहत 18 प्रतिशत शुल्क लगता है।'' मंत्रालय ने कहा कि सैनिटाइजर और उसी प्रकार के दूसरे सामानों पर जीएसटी दर कम करने से उल्टा शुल्क ढांचा तैयार होगा। यानी कच्चे माल पर तैयार उत्पाद के मुकाबले अधिक शुल्क। इससे 'हैंड सैनिटाइजर' बनाने वाले घरेलू विनिर्माताओं के साथ-साथ अयातकों को नुकसान होगा। वित्त मंत्रालय ने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जीएसटी दर कम करने से सैनिटाइजर का आयात सस्ता हो जाएगा। अगर तैयार माल के मुकाबले कच्चे माल पर अधिक कर लिया जाएगा तो इससे घरेलू उद्योग को नुकसान होगा। बयान के अनुसार, ''जीएसटी दर में कमी से आयात सस्ता होगा। यह देश की आत्मनिर्भर भारत की नीति के खिलाफ होगा। उल्टा शुल्क ढांचा से अगर विनिर्माताओं को नुकसान होता है, ग्राहकों को भी अंततः इसका लाभ नहीं होगा।'' एडवांस रूलिंग प्राधिकरण की गोवा पीठ ने हाल ही में व्यवस्था दी कि अल्कोहल प्राधिकरण की गोवा पीठ ने हाल ही में व्यवस्था दी कि अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर पर जीएसटी के तहत 18 प्रतिशत शुल्क लगेगा। हालांकि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 'हैंड सैनिटाइजर' को अनिवार्य वस्तु की श्रेणी में रखा है, लेकिन जीएसटी कानून के तहत छूट वाले सामान की अलग सूची है।

जियो विकसित कर रही घरेलू 5जी समाधान : अंबानी

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि समूह की डिजिटल इकाई जियो घरेलू 5जी समाधान विकसित करने में लगी है। कंपनी की 43वीं वार्षिक आम सभा में देश के सबसे धनी व्यक्ति अंबानी ने कहा, '' जियो ने शून्य से प्रारंभ कर पूर्णतया अपना 5जी समाधान डिजाइन और विकसित किया है। यह परीक्षण के लिए तैयार है । अगले साल जितने जल्दी 5जी स्पेक्ट्रम उपलब्ध होगा उतनी ही जल्दी हम इसका प्रायोगिक परीक्षण शुरू कर देंगे।'' उन्होंने कहा कि जियो का विश्वस्तरीय 4जी और फाइबर नेटवर्क विभिन्न सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों और उपकरणों से संचालित होता है। '' जियो की यह क्षमता उसे एक और अन्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी 5जी के लिए अग्रणी स्थिति में रखती है।'' अंबानी ने कहा कि जियो प्लेटफॉर्म्स ने 20से अधिक स्टार्टअप कंपनियों के साथ मिलकर 4जी, 5जी, क्लाउड कंप्यूटिंग, उपकरण और ऑपरेटिंग सिस्टम्स, बिग डाटा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉकचेन, स्वभाविक तरीके से भाषा की समझ और कंप्यूटर दृष्टिकोण इत्यादि प्रौद्योगिकी से जुड़ी विश्वस्तरीय क्षमताओं को विकसित किया है।

सोने में 244 रुपये और चांदी में 673 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में तेजी के बाद बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 244 रुपये की तेजी के साथ 50,230 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। मंगलवार को सोना 49,986 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी को भी लिवाली का समर्थन मिला और इसकी कीमत 673 रुपये की तेजी दर्शाती 54,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। मंगलवार को इसका बंद भाव 53,527 रुपये था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ दर्शाता 1,813 डॉलर प्रति औंस और चांदी लाभ के साथ 19.35 डॉलर प्रति औंस हो गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''अमेरिका और चीन के बिगड़ते रिश्तों के कारण मंगलवार से सोने में लिवाली गतिविधियां देखी जा रही हैं। वायरस के बढ़ते मामलों के कारण भी सोने की कीमतों में आई तेजी को समर्थन मिला।''''अमेरिका और चीन के बिगड़ते रिश्तों के कारण मंगलवार से सोने में लिवाली गतिविधियां देखी जा रही हैं। वायरस के बढ़ते मामलों के कारण भी सोने की कीमतों में आई तेजी को समर्थन मिला।''

हाजिर मांग बढ़ने से धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को धनिया की कीमत 54 रुपये की तेजी के साथ 6,200 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के जुलाई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 54 रुपये अथवा 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,200 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 815 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 6,236 रुपये प्रति क्विन्टल पर अपरिवर्तित रही जिसमें 3,065 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख और उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण यहां धनिया वायदा कीमतों में तेजी आई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख और उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण यहां धनिया वायदा कीमतों में तेजी आई।

इफ्को को 2019-20 में 1,005 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ

IFFCO

नई दिल्ली। सहकारी उर्वरक कंपनी इफ्को का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2019-20 में 20 प्रतिशत बढ़कर 1,005 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी का शुद्ध लाभ 841.58 करोड़ रुपए था। कंपनी ने बुधवार को जानकारी दी कि समीक्षाधि में उसकी आय 29,412 करोड़ रुपए रही। यह 2018-19 के 27,851.74 करोड़ रुपए के मुकाबले छह प्रतिशत बढ़ी है। जबकि इफ्को समूह के संयुक्त उपक्रमों, अनुषंगियों और सहयोगी कंपनियों की परिचालन से आय को मिलाकर उसकी कुल आय 57,778 करोड़ रुपए रही। यह 2018-19 में 50,908 करोड़ रुपए थी। इफ्को के प्रबंध निदेशक यू. एस. अवस्थी ने कहा, ''इफ्को के 2019-20 में इस असाधारण प्रदर्शन पर मैं बहुत खुश हूं। वैश्विक और आर्थिक चुनौतियों के बीच कंपनी का यह परिणाम काबिलेतारीफ है। कंपनी ने कहा कि आलोच्यअवधि में कंपनी ने उत्पादन, बिक्री, लाभ और उर्वरकों की आपूर्ति में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कंपनी उर्वरक के अपने मुख्य कारोबार के साथ-साथ साधारण बीमा, ग्रामीण खुदरा क्षेत्र, ग्रामीण दूरसंचार, ग्रामीण वित्त सेवा इत्यादि क्षेत्र में भी कारोबार करती है। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान कंपनी का कुल उर्वरक उत्पादन 91.42 लाख टन रहा। यह 2018-19 में 81.49 लाख टन था।

दिल्ली हवाईअड्डे से पहली तिमाही में दो करोड़ से अधिक चिकित्सा सामान पैकेट भेजे गये

नयी दिल्ली। दिल्ली अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान दो करोड़ से अधिक आवश्यक चिकित्सा सामान के पैकेट एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने का काम किया गया। हवाईअड्डे की संचालक कंपनी डायल ने बुधवार को यह जानकारी दी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है, ''चिकित्सा सामान में चेहरा ढकने का मास्क - 1.03 करोड़, दस्ताने -62 लाख, चश्मे - 49 लाख, पहनने की किट 19 लाख, जूतों के कवर - 14 लाख, 250 वेंटिलेटर्स आदि शामिल हैं।'' डायल ने कहा कि इस आयातित चिकित्सा सामान को पूरे देश में भेजा गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी इसकी आपूर्ति की गई। देश में दो माह के लॉकडाउन के बाद 25 मई से लॉकडाउन के बाद 25 मई से घरेलू उड़ानें शुरू की गईं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अभी तक निलंबित हैं। मालवाहक उड़ानें हालांकि लॉकडाउन के दौरान भी जारी थीं। डायल ने कहा कि अप्रैल से जून 2020 की अवधि में दिल्ली हवाईअड्डे से दो करोड़ से अधिक चिकित्सा सामान के पैकेट आदि का परिवहन किया गया। यह देश में किसी भी हवाईअड्डे द्वारा भेजी जाने चिकित्सा आपूर्ति में सबसे बड़ी संख्या है। यह देश में किसी भी हवाईअड्डे द्वारा भेजी जाने चिकित्सा आपूर्ति में सबसे बड़ी संख्या है।

मारुति, टोयोटा ने 1.41 लाख से अधिक कारें वापस मंगाई, खराब ईंधन पंप बदलेंगी

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने बुधवार को कहा कि खराब ईंधन पंप की जांच और उसे बदलने के लिये उसने 1,34,885 वैगन- आर और बलेनो मॉडल की कारें वापस मंगाई हैं। इसके साथ ही टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भी कहा है कि उसने अपनी प्रीमियम हैचबैक ग्लांजा की 6,500 इकाई वापस मंगाई हैं। कंपनी की ग्लांजा मूल रूप से बलेनो का ही रूप है। एमएसआई ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में कहा है वह स्वैच्छिक तौर पर 15 नवंबर 2018 से लेकर 15 अक्टूबर 2019 के बीच विनिर्मित वैगन-आर (एक लीटर) और 8 जनवरी 2019 से लेकर 4 नवंबर 2019 के बीच विनिर्मित बलेनो (पेट्रोल) कारों को वापस मंगा रही है। उसने कहा है कि इसमें कंपनी के दोनों तरह के 1,34,885 वाहन वापस

आ सकते हैं। वाहन कंपनी ने कहा, ''कंपनी की इस पहल से वैगन-आर की 56,663 इकाइयों और बलेनो की 78,222 इकाइयों में ईंधन पंप खराब होने का मामला हो सकता है। इसमें खराब हिस्से को बिना किसी शुल्क के बदला जायेगा।'' सूचना में कहा गया है कि आने वाले दिनों में इस वापसी अभियान के तहत संबंधित वाहन के मालिक को कंपनी के प्राधिकृत डीलर द्वारा संपर्क किया जायेगा। इसी तरह के एक वक्तव्य में टीकेएम ने कहा कि ''ग्राहक पहले के सिद्धांत पर चलते हुये और अपने ग्राहक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये कंपनी 2 अप्रैल 2019 और 6 अक्टूबर 2019 के बीच विनिर्मित ग्लांजा के सभी वाहनों को स्वैच्छिक तौर पर वापस मंगा रही है।

कंपनी अपने प्राधिकृत डीलरों के जरिये ग्राहकों से संपर्क करेगी। टोयोटा और सुजुकी ने मार्च 2018 में भारतीय बाजार में एक दूसरे को हाइब्रिड और अन्य वाहनों की आपूर्ति के लिये बुनियादी समझौता किया था। इसी समझौते के तहत टीकेएम ने एमएसआई से बलेनो लेकर उसके डिजाइन में कुछ बदलाव कर उसे अपनी ग्लांजा के रूप में बेचा।

कोरोना काल में जियो मार्ट का साथ, हर दिन 200 शहरों में पहुंचा रहा 2.5 लाख ऑर्डर

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्री की 43वीं एजीएम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बताया कि कोरोना संकट के बीच जियो मार्ट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए देश के 200 शहरों में हर दिन 2,50,000 किराना ऑर्डर लोगों तक पहुंचाए जा रहे हैं। अब जियो मार्ट देश में अपनी पहुंच बढ़ाने और डिलिवरी क्षमता में इजाफा करने की दिशा में काम कर रहा है। हमारा मकसद लोगों तक आसानी से उनकी जरूरत का सामान पहुंचाकर शानदार अनुभव देना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जल्द ही जियो मार्ट पर इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स, फैशन, फार्मासुटिकल और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स भी उपलब्ध होंगे। वहीं, जियो मार्ट जल्द ही देश के ज्यादा से ज्यादा शहरों में ग्राहकों को शानदार शॉपिंग एक्सपीरियंस देने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए उद्यमियों, ब्रांड्स और कारोबारियों को अपने साथ जोड़ रहे हैं। इससे देश के कंज्यूम्पशन को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा। इससे पहले ईशा अंबानी ने बताया कि कोरोना संकट के बीच जियो मार्ट किराना दुकानदारों और उपभोक्ताओं को सीधे फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने बताया कि जियो मार्ट कैसे ऑनलाइन और ऑफलाइन किराना स्टोर को जोड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जियो मार्ट का बीटा पायलट प्रोग्राम 200 शहरों में हुआ।

एयर इंडिया ने कर्मचारियों को बिना वेतन 5 साल के लिए अनिवार्य छुट्टी पर भेजा

नई दिल्ली। सरकारी विमानन कंपनी एअर इंडिया ने दक्षता, स्वास्थ्य और जरूरत जैसे आधार पर कर्मचारियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें पांच साल तक के लिए बिना वेतन अनिवार्य अवकाश पर भेजा जाएगा। कंपनी द्वारा मंगलवार को जारी एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक निदेशक मंडल ने एअर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजीव बंसल को कर्मचारियों की उपयुक्तता, दक्षता, क्षमता, प्रदर्शन की गुणवत्ता, कर्मचारी का स्वास्थ्य, पहले ड्यूटी के समय अनुपलब्धता, आदि के आधार पर छह महीने या दो साल के लिए बिना वेतन अनिवार्य अवकाश पर भेजने के लिए अधिकृत किया है और यह अवधि पांच साल तक बढ़ाई जा सकती है। एअर इंडिया द्वारा 14 जुलाई को जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यालय में विभागों के प्रमुखों के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालयों के निदेशक उपरोक्त कसौटियों के आधार पर प्रत्येक कर्मचारी का मूल्यांकन करेंगे और बिना वेतन अनिवार्य अवकाश के विकल्प के मामलों की पहचान करेंगे। आदेश में कहा गया, ''ऐसे कर्मचारियों के नामों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की आवश्यक मंजूरी के लिए मुख्यालय में महाप्रबंधक (कार्मिक) को अग्रसारित किया जाना चाहिए। इस संबंध में पूछे जाने पर एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ''हम इस मामले पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस की महामारी की वजह से भारत और अन्य देशों में यात्रा पर लगे प्रतिबंध की वजह से विमानन कंपनियों पर बहुत अधिक असर हुआ है। भारत की सभी विमानन कंपनियों ने वेतन में कटौती, बिना वेतन छुट्टी पर भेजने, कर्मचारियों को निकालने सहित अन्य उपाय खर्चों में कटौती के लिए के लिए किए हैं। उदाहरण के लिए गो एयर ने अप्रैल से अपने अधिकतर कर्मचारियों को बिना वेतन अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया है। भारत में कोरोना वायरस की महामारी की वजह से लागू रोक के करीब दो महीने बाद 25 मई को घरेलू विमान सेवा शुरू की गई। हालांकि, कोविड-19 महामारी से पहले के मुकाबले केवल 45 प्रतिशत विमानों को ही उड़ान भरने की अनुमति दी गई थी। 25 मई से घरेलू विमान सेवा शुरू होने के बाद से कुल सीट क्षमता के मुकाबले केवल 50 से 60 प्रतिशत यात्री ही सफर कर रहे हैं।

एप्पल ने सैमसंग को चुकाया 7100 करोड़ रुपए का जुर्माना

बिजनेस डेस्क। स्मार्टफोन बाजार में एप्पल और सैमसंग भले ही एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं, लेकिन आपको शायद ही पता हो कि एप्पल अपने आईफोन स्मार्टफोन्स के लिए सैमसंग से डिस्प्ले खरीदती है। हालांकि कम डिस्प्ले खरीदने के चलते एप्पल को हर्जाना चुकाना पड़ा है। के अनुसार, डिस्प्ले सप्लाई चेन कंसल्टेंट की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल ने सैमसंग को करीब 950 मिलियन डॉलर (करीब 7156 करोड़ रुपए) का जुर्माना दिया है। सैमसंग एप्पल को हाइब्रिड डिस्प्ले की सप्लाई करती है। जुर्माने से मिली रकम का फायदा सैमसंग को यह हुआ कि कंपनी के डिस्प्ले बिजनेस की दूसरी तिमाही का रेवेन्यू काफी बढ़ गया है। इतना ही नहीं, लॉस में चल रही कंपनी अब प्रॉफिट में आ गई है। बता दें कि यह पहली बार नहीं जब ऐसा हुआ है। पिछले साल भी कम डिस्प्ले पैनल्स खरीदने के चलते एप्पल को मोटी रकम चुकानी पड़ी थी। उस समय कंपनी ने सैमसंग को 684 मिलियन डॉलर दिए थे। इस साल के चलते कमजोर मांग और बिक्री के कारण एप्पल ज्यादा आईफोन नहीं बेच पाई है। दरअसल एक रिपोर्ट की मानें तो सैमसंग और एप्पल के बीच हर साल एक तय लिमिट की डिस्प्ले खरीदने की डील है।

जियोमीट शुरू होने के कुछ ही दिन के भीतर 50 लाख डाउनलोड हुए: मुकेश अंबानी

मुंबई। देश के सबसे धनी उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि भारत की सबसे पहली क्लाउड-आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप जियोमीट को शुरू होने के कुछ ही दिनों के भीतर 50 लाख लोगों ने डाउनलोड कर लिया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस सप्ताह के शुरू में वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा देने वाली ऐप जियोमीट को बाजार में उतारा था। इसमें असीमित मुफ्त कॉल की सुविधा दी गई है। इसे विरोधी कंपनी जूम के समक्ष शुल्क युद्ध के तौर पर देखा जा रहा है। जियो मीट की यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप एंड्रॉइड, आईओएस, विंडोज, मैकओएस और वेब पर उपलब्ध है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की 43वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि जियोमीट को जारी करने के कुछ दिन के भीतर ही 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने डाउनलोड किया है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक जियोमीट 100 भागीदारों के साथ एचडी ऑडियो और वीडियो कॉल की सुविधा देती है। इसमें स्क्रीन शेयरिंग और बैठक की समयसारिणी जैसे फीचर भी उपलब्ध हैं।

एमसीएक्स ने सेबी से आलू वायदा फिर शुरू करने की अनुमति मांगी

मुंबई। जिंस कारोबार के लिये मंच उपलब्ध कराने वाले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) ने कहा है कि उसने आलू वायदा कारोबार फिर से शुरू करने के लिये पूंजी बाजार नियामक सेबी से अनुमति मांगी है। कृषि क्षेत्र के सुधारों पर आयोजित वेबिनार में एमसीएक्स के व्यवसाय विकास के प्रमुख रिषी नैथानी ने कहा, ''आम इस्तेमाल वाले दलहन और चीनी जैसे संवेदनशील जिंस में जोखिम से सुरक्षा की जरूरत है .. हम जल्द ही आलू में वायदा कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं।'' वह कृषि वायदा कारोबार को बढ़ाने की उद्योगों की मांग पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि एक्सचेंज ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आलू वायदा अनुबंध फिर से शुरू करने के लिये अनुमति मांगी है। इसके लिये आवेदन किया गया है। उन्होंने कहा एमसीएक्स में आलू वायदा अनुबंध काफी सफल रहा है लेकिन कुछ समय बाद इसमें तरलता समाप्त हो गई। इसकी वजह से तत्कालीन जिंस बाजार वायदा कारोबार के नियामक वायदा बाजार आयोग ने एमसीएक्स को सितंबर 2014 में यह कारोबार बंद करने को कहा। कृषि सुधारों पर वेबिनार का आयोजन एमसीएक्स और इंडियन मर्चेंट्स चैंबर ने मिलकर किया था। इस दौरान खाद्य व्यवसाय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईटीसी ने कई जिंसों में मूल्य जोखिम से बचने के लिये वायदा कारोबार शुरू करने पर जोर दिया। उसने कहा कि लॉकडाउन के दौरान कच्चे तेल के दाम 70 प्रतिशत गिर गये, पॉम तेल 30 प्रतिशत सस्ता हो गया। मक्का, गेहूं और आलू के दाम में काफी उतार - चढ़ाव देखा गया जिससे रोजमर्रा के उत्पाद तैयार करने वाली एफएमसीजी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। पश्चिम बंगाल में ताड़केश्वर, दिल्ली, आगरा आलू के बड़े व्यापारिक केन्द्र हैं। इन केन्द्रों में आलू के बड़े भंडारगृह की सुविधायें मौजूद हैं। घरेलू और बहुराष्ट्रीय खाद्य कंपनियों के लिये ठेके पर खेती कराने के मामले में ये भंडारगृह काफी महत्वपूर्ण हो गये हैं।

गूगल 33,737 करोड़ रुपये में खरीदेगी जियो प्लेटफॉर्म्स की 7.7 प्रतिशत हिस्सेदारी

मुंबई। सर्च इंजन गूगल भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो प्लेटफॉर्म्स में 7.7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसमें जियो प्लेटफॉर्म्स में 33,737 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसी के साथ अप्रैल से अब तक जियो प्लेटफॉर्म्स कुल 1.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश जुटा चुकी है। जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश की शुरुआत अमेरिका के कैलिफोर्निया की कंपनी फेसबुक ने 43,573.62 करोड़ रुपये में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद के साथ की थी। इसके बाद कई वैश्विक प्रौद्योगिकी निवेशक कंपनियों ने इसमें हिस्सेदारी हासिल कर निवेश किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की 43वीं वार्षिक आम सभा में कहा कि गूगल के साथ जियो प्लेटफॉर्म्स में पूंजी जुटाने का चक्र पूरा हो जाएगा। गूगल कैलिफोर्निया की ही अल्फाबेट इंक के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। अंबानी ने अपने संबोधन में कहा, ''जियो प्लेटफॉर्म्स में एक रणनीतिक निवेशक के तौर पर हम गूगल का स्वागत करते हैं। हमने एक पक्का सौदा किया है जिसके तहत जियो प्लेटफॉर्म्स में गूगल 33,737 करोड़ रुपये का निवेश कर के 7.7 प्रतिशत हिस्सेदारी प्राप्त करेगी।'' इस सौदे के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, जियो प्लेटफॉर्म्स में अपनी कुल 32.84 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच चुकी है। इससे कंपनी ने अब तक 1,52,055.45 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। जियो प्लेटफॉर्म्स, रिलायंस की डिजिटल कारोबार इकाई है। इसी के तहत उसकी दूरसंचार इकाई जियो इंफोकॉम और अन्य ऐप कंपनियां आती हैं। हालांकि राइट्स इश्यू से प्राप्त 53,124 करोड़ रुपये और ब्रिटेन की बीपी से मिले 7,629 करोड़ रुपये के निवेश के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज अब तक कुल 2,12,809 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। इससे कंपनी को खुद को शुद्ध ऋण से मुक्त करने में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2019-20 की समाप्ति पर कंपनी का शुद्ध ऋण 1,61,035 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इसे मार्च 2021 तक शून्य करने का लक्ष्य रखा था। अंबानी ने कहा, '' यह राशि कंपनी के शुद्ध ऋण से अधिक है। वित्त वर्ष 2019-20 की समाप्ति पर कंपनी का शुद्ध ऋण 1,61,035 करोड़ रुपये था। रिलायंस अब सही मायनों में शुद्ध ऋण से मुक्त कंपनी हो गयी है, यह उपलब्धि कंपनी ने अपने ऋणमुक्त होने के घोषित लक्ष्य मार्च 2021 से बहुत पहले प्राप्त कर ली है।'' जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश करने वाली गूगल 13वीं निवेशक है। गूगल ने इस निवेश के लिए कंपनी का मूल्यांकन 4.36 लाख करोड़ रुपये किया है। हालांकि यह पिछले हफ्ते क्वालकॉम के निवेश के दौरान किए गए 4.91 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन से कम है। अंबानी ने कहा कि हमारी बही-खाते की मजबूत स्थिति कारोबार के विस्तार की कंपनी की योजनाओं में सहयोग करेगी। कंपनी अपने कारोबार के तीनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों जियो प्लेटफॉर्म्स, खुदरा कारोबार और तेल-से-रसायन कारोबार पर ध्यान दे रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश करने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एल. कैटरटन, पब्लिक इंवेस्टमेंट फंड, सिल्वर लेक और जनरल एटलांटिक शामिल हैं। इनमें से कई कंपनियों से जियो प्लेटफॉर्म्स अब तक कुल 73,636.43 करोड़ रुपये के लेनदेन को अंतिम रूप भी दे चुकी है। प्लेटफॉर्म्स अब तक कुल 73,636.43 करोड़ रुपये के लेनदेन को अंतिम रूप भी दे चुकी है। अंबानी ने कहा कि गूगल करोड़ों भारतीयों की सूचनाओं तक पहुंच बनाकर उन्हें सशक्त किया है। ठीक इसी तरह जियो बदलाव और नवोन्मेष के लिए प्रतिबद्ध है। गूगल और एल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने कहा कि भारत के डिजिटल बदलाव में रिलायंस इंडस्ट्रीज विशेषकर जियो की अहम भूमिका है। ऐसे में उसके साथ एक अच्छा सौदा करना लाजिमी है। जियो प्लेटफॉर्म्स में फेसबुक और गूगल के अलावा सिल्वर लेक पार्टनर्स ने 10,202.55 करोड़ रुपये में 2.08 प्रतिशत हिस्सेदारी, विस्टा इक्विटी पार्टनर्स ने 11,367 करोड़ रुपये में 2.32 प्रतिशत, जनरल एटलांटिक ने 6,598.38 करोड़ रुपये में 1.34 प्रतिशत, केकेआर ने 11,367 करोड़ रुपये में 2.32 प्रतिशत, टीपीजी ने 4,546.80 करोड़ रुपये में 0.93 प्रतिशत, एल. कैटरटन ने 1,894.50 करोड़ रुपये में 0.39 प्रतिशत,इंटेल कॉर्प ने 1,894.50 करोड़ रुपये में 0.39 प्रतिशत, क्वालकॉम ने 730 करोड़ रुपये में 0.15 प्रतिशत, मुबाडाला इंवेस्टमेंट कंपनी ने 9,093.60 करोड़ रुपये में 1.85 प्रतिशत,सऊदी अरब के पब्लिक इंवेस्टमेंट फंड ने 11,367 करोड़ रुपये में सऊदी अरब के पब्लिक इंवेस्टमेंट फंड ने 11,367 करोड़ रुपये में 2.32 प्रतिशत और अबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी ने 5,683.50 करोड़ रुपये में 1.16 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रदीप सिंह के डोपिंग मामले में सूचना मिलने पर नमूने लियः नाडा महानिदेशक अग्रवाल

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के महानिदेशक नवीन अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि भारोत्तोलक प्रदीप सिंह पर नाडा ने निगाह लगायी हुई थी और पिछले साल सूचना मिलने के बाद ही उनके खून के नमूने लिये गये जिसमें वह डोपिंग परीक्षण में विफल रहे और उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले सिंह को प्रतिबंधित मानव वृद्धि हार्मोन (एचजीएच) का पॉजिटिव पाया गया था और यह इस तरह का पहला मामला था। उन पर अस्थायी रूप से एक साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''भारतीय एथलीट द्वारा एचजीएच इस्तेमाल (मूत्र के नमूने में पाये जाने) का ही यह पहला मामला नहीं है बल्कि यह पहली बार है कि खून के नमूने में भी यह पाया गया। हमें सूचना मिली थी कि कुछ खिलाड़ी एचजीएच का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिये प्रदीप सिंह उन खिलाड़ियों में शामिल था जिन पर हमने निगाह लगायी (टारगेट टेस्टिंग) हुई थी। '' सिंह के खून के नमूने पिछले साल दिसंबर में टूर्नामेंट के बाहर पटियाला में शिविर के दौरान लिये गये थे और मार्च में आये ए नमूने का नतीजा एचजीएच का पॉजिटिव आया। लेकिन एजेंसी ने बी नमूने की जांच का इंतजार किया और फिर उनकी रिपोर्ट को सार्वजनिक किया।

क्रिकेट

भारतीय क्रिकेट पर कोरोना वायरस का कहर जारी, मुश्किल में इंग्लैंड टीम का भारत दौरा

लंदन।

इंग्लैंड इस साल सितंबर में होने वाले भारत दौरे को कोरोना वायरस महामारी की वजह से अगले साल तक के लिए स्थगित कर सकती है. इंग्लैंड को भारत दौरे पर 3 वनडे और इतने ही टी-20 मैच खेलने हैं और इसके लिए उसे 16 सितंबर को भारत आना है. डेली मेल की रिपोर्ट की मानें तो टी-20 वर्ल्ड कप के स्थगित होने की संभावना से आईपीएल के 13वें संस्करण के लिए जगह बनती दिख रही है और इसी कारण सितंबर में इंग्लैंड का भारत दौरा खटाई में पड़ता दिख रहा है. । रिपोर्ट की मानें तो इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई के बीच इसे लेकर बातचीत चल रही है. अगले साल होने वाली टेस्ट सीरीज के साथ ये दोनों सीरीजों के कराए जाने पर बात बनती दिख रही है. आईएएनएस ने पहले ही अपनी रिपोर्ट में बताया था कि बीसीसीआई सितंबर अंत और नवंबर की शुरुआत के बीच आईपीएल कराने पर विचार कर रही है. साथ ही यह भी बताया था कि आईपीएल की मेजबानी विदेश में की जा सकती है और इसके लिए यूएई तथा श्रीलंका के बीच में से स्थान चुनना है। इस संबंध में आखिरी फैसला लेने से पहले बीसीसीआई, टी-20 वर्ल्ड कप के संबंध में आईसीसी के आधिकारिक फैसले का इंतजार कर रही है. बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कुछ दिन पहले कहा था सकते और उनकी प्राथमिकता अपने देश में ही आईपीएल आयोजित कराने की है. वह आईपीएल के बिना साल गुजर जाने की उम्मीद नहीं कर सकते और उनकी प्राथमिकता अपने देश में ही आईपीएल आयोजित कराने की है।

लिजेंड्स ऑफ चैस में नजर आएंगे भारत के विश्वनाथन आनंद

नॉर्वे ।

विश्व चैंपियन मेगनस कार्लसन नें जब से आमंत्रण लीग शुरू की तब से वह दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ियों को पाने साथ लाने मेन सफल रहे है और अब वह अपने महान पूर्ववर्तियों विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और व्लादिमीर क्रामनिक को एक साथ लेकर आए है जी हाँ इस लीग के चौंथे पड़ाव मे लिजेंड्स ऑफ शतरंज मे मेगनस कार्लसन के साथ दोनों पूर्व विश्व चैम्पियन खेलते नजर आएंगे । 1 मिलियन डॉलर की मेगनस कार्लसन शतरंज टूर के ग्रैंड फाइनल के पहले यह अंतिम पड़ाव है ।टूर्नामेंट मे कुल 10 खिलाड़ी भाग ले रहे है अन्य बड़े नामों मे बोरिस गेलफंड , वैसली इवानचुक, पीटर लेको और पीटर स्विडलर अन्य जैसे पुराने दिग्गज है तो पिछले तीन टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर अनीश गिरी,

इयान नेपोमनियाचची और डिंग लिरेन को भी आमंत्रित किया गया है। प्रतियोगिता अगले सप्ताह मंगलवार 21 जुलाई से बुधवार 5 अगस्त तक चलेगी । बड़ी बात यह है की प्रतियोगिता मे एक और ,गेलफंड 52 ,इवांचुक 51 ,आनंद 50 ,क्रामनिक 45 ,स्वीडलर 44 तो पीटर लेको 40 वर्ष के है तो दूसरी और नेपोंनियची 30 ,कार्लसन 29 ,डिंग लीरेंन 27 तो अनीश गिरि 26 वर्ष के है । प्रतियोगिता मे पहले राउंड रॉबिन के आधार पर 9 राउंड खेले जाएँगे और उसके बाद शीर्ष 4 खिलाड़ी सीधे सेमी फाइनल मे पहुंचेंगे । प्ले ऑफ मुक़ाबले बेस्ट ऑफ थ्री के आधार पर खेले जाएँगे ।

विराट को उनके खेल को अलग स्तर में ले जाने पर सलाह दी थी: कर्स्टन

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने कहा है कि उन्होंने भारतीय कप्तान विराट कोहली के करियर के शुरुआती दिनों में उनके खेल को अलग स्तर में ले जाने पर सलाह दी थी। कर्स्टन टीम इंडिया के सबसे सफल कोच में से एक रहे हैं। उनके नेतृत्व में ही भारतीय टीम ने 2011 में एकदिवसीय विश्वकप का खिताब जीता था और विराट ने भी उनके ही नेतृत्व में अपना करियर 2008 में शुरू किया था। कर्स्टन ने विराट के करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए द आरके शो में कहा, जब मैं विराट से पहली बार मिला तो मुझे उनमें बेहतरीन कौशल नजर आया, वह नौजवान थे। लेकिन मुझे पता था कि वह अपने खेल को सही तरीके से नहीं खेल रहे हैं इसलिए मैंने उनके साथ चर्चा की। उन्होंने कहा, मैं वो दिन नहीं भूलूंगा जब हम श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे थे और विराट शानदार बल्लेबाज कर रहे थे। वह 30 रन पर नाबाद थे और तब उन्होंने फैसला लिया कि वह गेंदबाज के ऊपर से लांग-आन पर छक्का मारेंगे लेकिन वह आउट हो गए थे। कर्स्टन ने कहा, मैंने उनसे कहा कि अगर तुम्हें अपने खेल को अलग स्तर में ले जाना है तो आपको गेंद पर लांग-आन की तरफ जमीनी शॉट लगाना होगा। आपको पता है कि आप गेंद पर हवा में शॉट मार सकते हैं लेकिन इसमें खतरा भी रहता है। मुझे लगता है कि उन्होंने उसे थोड़ा समझा और कोलकाता में हुए अगले मैच में शतक जड़ा।

ब्लैकवुड का बड़ा बयान, कहा- मैं खराब शॉर्ट खेलूं, इसके लिए इंग्लैंड के कप्तान ने पूरी कोशिश की

मैनचेस्टर ।

पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज की जीत में अहम भूमिका निभाने वालों में शामिल रहे बल्लेबाज जर्मेन ब्लैकवुड ने कहा है कि उनकी मैच जिताने वाली 95 रन की पारी के दौरान इंग्लैंड ने छींटाकशी करके उनका ध्यान भटकाने का प्रयास किया जिसमें कार्यवाहक कप्तान बेन स्टोक्स उनकी अगुआई कर रहे थे। ब्लैकवुड ने 95 रन की जुझारू पारी खेली जिससे वेस्टइंडीज 200 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए साउथम्पटन में पहला टेस्ट चार विकेट से जीतकर तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। 'विजडन ने ब्लैकवुड के हवाले से कहा, 'पहली गेंद से ही कप्तान बेन स्टोक्स मुझे कुछ ना कुछ कह रहे थे। मुझे लगता है कि वे कोशिश कर रहे थे कि मैं खराब शॉट खेलूं लेकिन किसी भी समय मेरा ध्यान नहीं भटका। जब मैं क्रीज पर था तो वे दबाव में थे, मैं नहीं। उन्होंने कहा, 'उन्हें पता था कि वे मुझे खराब गेंद नहीं फेंक सकते। मुझे याद नहीं कि वे क्या कह रहे थे लेकिन कुछ बुरा नहीं कहा। यह क्रिकेट है। आपको हमेशा कुछ ना कुछ सुनने को मिलता है और खेल इसी तरह खेला जाता है। वेस्टइंडीज ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 ओवर में 27 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन ब्लैकवुड ने अंतिम दिन रोस्टन चेस और शेन डाउरिच के साथ दो महत्वपूर्ण साझेदारियां करके टीम को मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को हालांकि जब जीत

के लिए सिर्फ 11 रन की जरूरत थी तब ब्लैकवुड आउट हो गए। वह जेम्सब्लैकवुड आउट हो गए। वह जेम्स एंडरसन की गेंद पर मिड आफ पर कैच दे बैठे और पांच रन से शतक से चूक गए। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच फिल सिमंस ने पूरी पारी के दौरान धैर्य बरकरार रखने के लिए ब्लैकवुड की सराहना की। सिमंस ने कहा, 'मैंने महसूस ही नहीं किया कि इंग्लैंड ऐसा कर रहा था लेकिन ब्लैकवुड का ध्यान भटकाने के प्रयास में मैं भी ऐसा ही करता।

उन्होंने कहा, 'लेकिन उसने धैर्य बनाए रखा और स्थिति के अनुसार खेला। यह दर्शाता है कि उसकी मानसिकता में सुधार हो रहा है। दूसरा टेस्ट ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार से शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय गेंदबाज का खुलासा- मेरी बॉडी लैंग्वेज देखकर समस्याओं को समझ जाते हैं धोनी

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नाम ही अपने आप में बहुत बड़ा है जिसका कारण क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां हैं। विकेट के पीछे खड़े रहते हुए धोनी ने कई गेंदबाजों को विकेट दिलाने में मदद की है। हाल ही में युजवेंद्र चहल ने धोनी के बारे में कहा कि धोनी वह मेरी बॉडी लैंग्वेज से ही मेरी उलझन को समझ लेते हैं। एक मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान चहल ने कहा कि माही भाई सबसे अच्छे और महान हैं जिन्हें भारत ने बनाया है। उन्होंने मैचों के दौरान मेरी और कुलदीप यादव की सहायता की है। कई बार बल्लेबाज मुझे बाउंड्री लगाते हैं और तब धोनी आते हैं और मेरे कंधे पर हाथ रखते हैं और कहते हैं कि इसको गूगली डाल, ये नहीं खेल पाएगा। चहल ने कहा कि 40 ओवर के बाद विराट भाई ब्राउंड्री लाइन के पास जाकर खड़े हो जाते हैं और उस समय आपको सिखाने और मार्गदर्शन करने के लिए किसी की आवश्यकता होती है। मैं माही भाई की तरफ देखता हूं और वह मेरी बॉडी लैंग्वेज से समझ जाते हैं कि मैं कुछ कहना चाहता हूं या मुझे कोई समस्या है। वह मेरे पास आते हैं तो समस्या को दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं गेंदबाजी करने जाता हूं तो धोनी मेरी 50 प्रतिशत समस्या दूर कर देते हैं और कुलदीप के साथ भी ऐसा ही होता है। वह मेरे और कुलदीप के लिए समस्या सुलझाने वाले हैं। गौर हो कि फिलहाल धोनी के करियर को लेकर कई सारी अफवाहें हैं। वर्ल्ड कप 2019 को एक साल से ज्यादा हो चुका है और धोनी के रिटायरमेंट या फिर भारतीय टीम में आगे खेलने को लेकर संशय बरकरार है।

अगर इस साल ओलंपिक होते तो पुरुष टीम के पास पदक जीतने का अच्छा मौका था: अशोक कुमार

कोलकाता ।

विश्व चैम्पियन और ओलंपिक पदकधारी अशोक कुमार को लगता है कि मनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम पदक की दौड़ में थी लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया। भारत की 1975 विश्व चैम्पियन टीम के अहम सदस्य और म्यूनिख ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अगले साल टीम की फार्म को लेकर संशकित हैं क्योंकि उसे लय हासिल करने की जरूरत होगी। पाकिस्तान के खिलाफ 1975 विश्व कप फाइनल में विजयी गोल दागने वाले कुमार ने कहा, 'अगर ओलंपिक इस साल होते तो हमारे पास निश्चित रूप से कुछ मौके थे। हमने सुधार किया था और हम वहां कुछ अच्छे नतीजे हासिल कर सकते थे। कुमार को लगता है कि इस लंबे ब्रेक के कारण कोच ग्राहम रीड को भी थोड़ी एहतियात बरतनी होगी। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि (मुख्य कोच) ग्राहम रीड के दिमाग में भी अब बड़ा सवाल बना हुआ होगा। कोचिंग बंद दरवाजों के अंदर हो रही है। जब तक आप उन्हें मैचों में खेलते हुए नहीं देखोगे तो उनका आकलन कैसे करोगे। वे कोई मशीन नहीं है। भारत ने 2019 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दुनिया की शीर्ष रैंकिंग की टीम बेल्जियम को प्रो लीग मुकाबले में 2-1 से मात दी थी। भारत ने अपने फाइनल प्रो लीग मुकाबले में मजबूत आस्ट्रेलिया से भी 2-2 से ड्रा खेला था जिसके बाद महामारी के कारण पूरी दुनिया रूक गई। कुमार ने कहा, 'निश्चित रूप से लय टूट गई है और इससे बड़ा अंतर पैदा होगा। अब आप नहीं कह सकते (कि हम पदक जीतेंगे)। हम इसके बारे में अगले साल बात करेंगे कि वे ओलंपिक की तैयारियों में कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि महिला टीम भी अच्छी फार्म में थी और अगर ओलंपिक इस साल होते तो उसने भी अच्छा प्रदर्शन किया होता। सत्तर साल के कुमार ने कहा, 'यहां तक कि हमारी महिला टीम भी फार्म में शीर्ष पर थी और उनके पास भी अच्छा मौका था लेकिन अब हम कुछ नहीं कह सकते।

प्रीमियम क्रिकेट लीग की हुई वापसी, दिसंबर में होगी यह प्रतिष्ठित लीग

नई दिल्ली । कोरोना काल के बीच क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर आ गई है। लंबे समय से प्रीमियर क्रिकेट लीग नहीं हो पाई थी। लेकिन अब इसका क्रम टूटने वाला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा कर दी है कि वह बिग बैश लीग (बीबीएल) के 10वें संस्करण का आयोजन दिसंबर में करेगा। बोर्ड ने कहा- 56 में से 48 नियमित मैच प्राइम टाइम में होंगे। यह पिछले सीजन से 11 ज्यादा हैं। इसके अलावा चार मैच दुधिया रोशनी में होंगे। बीबीएल 10 ओपनर 3 दिसंबर को मेलबर्न रेनेगेड्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच खेला जाएगा। यह मैच ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच गाबा में हुए पहले टेस्ट के स्टंप्स के बाद होगा। पांच मैचों की फाइनल सीरीज को बरकरार रखा गया है, जिसका फाइनल 6 फरवरी, 2021 को खेला जाएगा। इसी तरह वुमन बिश बैश लीग के 26 मैच जिनमें 23 रेगुलर तो तीन फाइनल सीरीज के भी प्रसारित होंगे। बीबीएल का यह सत्र 17-18 अक्टूबर के सप्ताहांत पर शुरू होगा। पहल मैच गत विजेता ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच होगा। इस सीजन की तीन मैचों की फाइनल डेट 27-29 नवंबर रखी गई है जबकि एक की पुष्टि होनी अभी बाकी है। बिग बैश लीग के प्रमुख एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा- कोरोनावायरस के समय में इसका आयोजन चुनौतियों के बिना नहीं होगा। हमने अभी देश-विदेश में अच्छी खेल स्थितियों को जांचा है। अगर कुछ भी हुआ तो तारीखें प्रभावित हो सकती हैं। एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा- हम स्थिरता के साथ खुश हैं क्योंकि यह चल रहा है। गर्मियों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक बिग बैश के साथ जश्न मनाने के लिए उत्साहित है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिक बीबीएल मैचप्राइम टाइम में खेले जाएं। प्राइम टाइम में खेले जाएं। नियमित सीजन को स्कूल की छुट्टियों के अंदर ही खत्म करना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

कोरोना काल में मनोवैज्ञानिक सलाहकार बनी निशानेबाज, चित्रकार अंजुम

नयी दिल्ली। एक बेहतरीन निशानेबाज और चित्रकार अंजुम मोद्गिल के व्यक्तिक्र का नया पहलू कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान देखने को मिला है और वह है मनोवैज्ञानिक सलाहकार का । कुछ समय पहले ही अंजुम ने खेल मनोविज्ञान में डिग्री हासिल की है । दिहाड़ी मजदूरों और खेल जगत से जुड़े सहयोगी स्टाफ की परेशानियों से व्यथित अंजुम ने अपनी कुछ पेंटिग्स की नीलामी करके उनके लिये धन जुटाया । वह अपने दोस्तों को निजी स्तर पर मनोवैज्ञानिक सलाह भी दे रही है । तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी इस निशानेबाज ने कहा ,'' मैंने अपनी पेंटिंग की नीलामी का फैसला किया । इससे मिलने वाली रकम प्ले फोर इंडिया को जायेगी जो दिहाड़ी मजदूरों ' भारत के कुछ बड़े खिलाड़ियों की मदद से चल रही ' प्ले फोर इंडिया' मुहिम उन लोगों की मदद के लिये है जो लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित हैं । अंजुम ने बताया ,'' मैंने अपने निशानेबाज दोस्तों के लिये कुछ काउंसिलिंग सत्र भी लिये हैं । ऐसे कठिन दौर में संयम बनाये रखना जरूरी है ।'' उसने हाथ से पेंट की हुई अपनी डायरियां भी एनजीओ के लिये धन जुटाने के मकसद से बेची है ।

आर्चर और वुड को रोटेट करे इंग्लैंड: गॉग

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेरेन गॉग ने पहले टेस्ट में इंग्लिश टीम की वेस्ट इंडीज के हाथों चार विकेट की पराजय के बाद कहा है कि इंग्लैंड को केवल तेजी पर भरोसा नहीं करना चाहिए और जोफा आर्चर तथा मार्क वुड को रोटेट करना चाहिए। इंग्लैंड ने साउथम्पटन में पहले टेस्ट में आर्चर और वुड की तेजी पर भरोसा किया था और स्विंग गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को एकादश से बाहर रखा था। इंग्लैंड यह मुकाबला चार विकेट से हार गया। इंग्लैंड के लिए 58 टेस्ट खेलने वाले गॉग ने कहा, मैंने शुरुआत से ही कहा है कि आर्चर और वुड को रोटेट करें लेकिन हम तेजी के चक्कर में पड़ गए क्योंकि वुड ने दक्षिण अफ्रीका में काफी तेजी दिखाई थी। आर्चर भी ऐसा कर चुके हैं लेकिन हर मैच में कामयाबी मिलना मुश्किल है। गॉग ने कहा कि इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में स्टुअर्ट ब्रॉड और क्रिस वोक्स को वापस लाना चाहिए जो गुरूवार से मैनचेस्टर में शुरू होगा। उन्होंने कहा, मैं चाहूंगा कि दूसरे टेस्ट में वुड और जेम्स एंडरसन को विश्राम देकर ब्रॉड और वोक्स को लाया जाए। आप तीसरे टेस्ट में एंडरसन और वुड को वापिस ला सकते हैं।

'एक राज्य एक खेल' नीति को राज्यों का पूर्ण समर्थन: रिजिजू

नई दिल्ली ।

केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि 'एक राज्य एक खेल' नीति का पालन करने के लिए राज्यों का पूर्ण समर्थन मिला है क्योंकि मंत्रियों और अधिकारियों ने एक खेल वाली नीति को अपनाने में गहरी रुचि दिखाई है जिसमें उनका राज्य पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। रिजिजू ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद किया। बैठक का आयोजन दो दिवसीय सम्मेलन के पहले भाग के रूप में किया गया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कोविड-19 के पश्चात खेलों की बहाली पर चर्चा की। खेल मंत्री ने कहा कि प्रत्येक राज्य में एक 'खेलो इंडिया स्टेट सेंटर एक्सीलेंस' (केआईएससीई) की स्थापना और 'एक राज्य एक खेल' नीति का पालन करने के लिए राज्यों का पूर्ण समर्थन मिला है क्योंकि मंत्रियों और अधिकारियों ने एक खेल वाली नीति को अपनाने में गहरी रुचि दिखाई, जिसमें उनका राज्य पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। रिजिजू ने कहा, ÷हमारा मंत्रालय एक या दो खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करेगा और उन्हें धन उपलब्ध कराएगा। के आईएससीई किसी विशेष खेल के लिए नोडल केंद्र बन जाएगा, जहां पर एथलीटों को ओलंपिक के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं में तैयार किया जा सकता है। राज्यों द्वारा पारंपरिक खेलों सहित अन्य खेलों में एथलीटों को प्रशिक्षित करने का विकल्प भी चुना जा सकता है, लेकिन मुख्य रूप से ध्यान केवल एक या दो खेलों पर ही होना चाहिए।÷ राज्यों के प्रतिनिधियों ने कहा कि देश के सभी जिलों में 1000 'खेलो इंडिया केंद्र' की स्थापना करने से न केवल स्थानीय प्रतिभाओं का सदुपयोग करने में मदद मिलेगी बल्कि देश में खेल की संस्कृति भी विकसित होगी। कई राज्यों ने जमीनी स्तर के खेलों को बढ़ावा देने में अपनी सफलता की कहानियों को साझा किया गया। रिजिजू ने कहा कि 'फिट इंडिया अभियान' से संबंधित गतिविधियों में राज्यों की भागीदारी उत्साहजनक रही है जिसमें पूरे भारत के 2.5 लाख से ज्यादा स्कूलों ने 'फिट इंडिया स्कूल' बनने के लिए अपना नामांकन करवाया है। उन्होंने कहा, मैं सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह करता हूं कि वे अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूलों को फिट इंडिया स्कूल के रूप में पंजीकरण कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं जिससे युवाओं के लिए फिटनेस उनके जीवन का एक तरीका बन जाए। राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के बाद रिजिजू ने कहा, यह एक सार्थक सम्मेलन रहा है।

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों को व्यक्तिगत ट्रेनिंग की इजाजत दी

ढाका । बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने खिलाड़ियों को उनकी खुद की सुरक्षा पर व्यक्तिगत ट्रेनिंग की इजाजत दे दी है। बीसीबी ने कुछ दिनों पहले सुरक्षा को देखते हुए शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में व्यक्तिगत ट्रेनिंग की इजाजत देने से मना कर दिया था। बंगादेश में मार्च के मध्य से कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई है जबकि कुछ देशों ने सीमित रुप से खेल गतिविधियां शुरू कर दी हैं। मुशफिकुर रहीम उन खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने बीसीबी से अभ्यास शुरू करने की इजाजत मांगी थी लेकिन बोर्ड ने विसंक्रमण सुविधा नहीं होने का हवाला देते हुए मना कर दिया था। स्टेडियम को संक्रमण मुक्त करने की प्रक्रिया दो जुलाई को पूरी हो गई थी और अब स्टेडियम का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बीच रहीम ने कहा कि वह व्यक्तिगत ट्रेनिंग शुरू कर चुके हैं।बीसीबी ने हाल ही में 35 खिलाड़ियों के साथ बैठक की थी और उन्हें बताया था कि वे शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में व्यक्तिगत ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं। सूत्र के मुताबिक सिर्फ दो खिलाड़ियों ने ही स्टेडियम का इस्तेमाल करने की इच्छा जताई है। हालांकि बीसीबी को 17 जुलाई तक कुछ और खिलाड़ियों के आने की उम्मीद है। बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी ने कहा, हमने खिलाड़ियों के साथ बात की है और कहा है कि अगर वे स्टेडियम का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ईद से पहले कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुस्लिमों को लेकर अमेरिका की चेतावनी 'पूरी दुनिया के लिए हानिकारकः चीन सरकार

बीजिंग।

चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की अमेरिका सरकार की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन की सरकार ने कहा है कि वह देश की कंपनियों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। दरअसल, अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन की कंपनियां अगर शिनजियांग के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की प्रताड़ना करने में मदद करती है, तो उन्हें कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि अमेरिका और चीन के संबंधों में कई मुद्दों को लेकर अत्यधिक तनाव बना हुआ है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका सरकार पर चीन के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और कहा कि वाशिंगटन ''चीन की कंपनियों के दमन के लिए मानवाधिकार की शिकायतों का इस्तेमाल कर रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह चीन के लिए हानिकारक है, अमेरिका के लिए हानिकारक है और पूरी दुनिया के लिए हानिकारक है। उसने कहा, ''चीन बहुत मजबूती के साथ अमेरिका से कहना चाहता है कि वह अपनी खराब हरकतें बंद करे। मंत्रालय ने बयान में कहा, ''चीनी कंपनियों के कानूनी अधिकारों और हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए चीन आवश्यक कदम उठाएगा। अमेरिका ने एक जुलाई को चेतावनी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि जो कंपनियां जबरन मजदूरी में धकेले गए लोगों द्वारा बनाए सामान रखती है या ऐसी प्रौद्योगिकी देती है जिसका इस्तेमाल श्रमिक शिविरों में होता हो या फिर निगरानी के लिए होता है।

उन्हें ''आर्थिक, कानूनी तथा साख संबंधी अनिर्दिष्ट जोखिम उठाना पड़ सकता है। चीन ने मुस्लिम जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के 10 लाख या इससे भी अधिक लोगों को नजरबंदी शिविरों में हिरासत में रखा है।

भारत और चीनी सेनाओं में बातचीत के दौरान सैनिकों की वापसी की दिशा में और 'प्रगति' : चीन

बीजिंग।

चीन ने बुधवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव दूर करने के लिये भारत और चीनी सेनाओं के बीच कमांडर स्तर की बातचीत के चौथे दौर में तनातनी को कम करने के लिये सैनिकों की और वापसी को बढ़ावा देने की दिशा में प्रगति हुई। नयी दिल्ली में सरकारी सूत्रों ने कहा कि दोनों सेनाओं के वरिष्ठ कमांडरों के बीच करीब 15 घंटों तक चली गहन और जटिल बातचीत के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को लक्ष्मण रेखाओं के बारे में बताया और यह भी जता दिया कि क्षेत्र में स्थिति में सुधार काफी हद तक चीन पर निर्भर करता है। मंगलवार को हुई सैन्य स्तरीय वार्ता के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पश्चिमी क्षेत्र में सीमावर्ती सैनिकों की और वापसी को बढ़ावा देने के लिये दोनों पक्षों में सहमति पर प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, 14 जुलाई को चीन और भारत की सेनाओं के बीच चौथे दौर की कमांडर स्तरीय बातचीत हुई जिसमें पिछले तीन दौर की बातचीत के दौरान बनी सर्वसम्मति तथा इस दिशा में हुए प्रासंगिक काम के क्रियान्वयन के बाद सीमा के पश्चिमी सेक्टर में सैनिकों की और वापसी को बढ़ावा देने तथा तनाव कम करने की दिशा में प्रगति हुई। हुआ ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ वास्तविक कार्यों के साथ हमारी सहमति को लागू करने के लिये काम कर सकता है।

सीमा क्षेत्रों में शांति सीमा क्षेत्रों में शांति को सुरक्षित रख सकता है। भारतीय पक्ष का नेतृत्व इस बातचीत में लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह कर रहे थे जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता दक्षिण गतिरोध स्थलों से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया के पहले चरण के क्रियान्वयन के कुछ दिन बाद लेफ्टिनेंट जनरल स्तरीय यह वार्ता हुई।

ट्रंप ने बाइडन पर कट्टरपंथी वामपंथ की तरफ जाने का आरोप लगाया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को राष्ट्रपति चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से उन्हें चुनौती देने वाले जो बाइडन पर निशाना साधते हुए उन्हें कट्टरवादी वामपंथ की तरफ जाता करार दिया। बाइडन ने आपराधिक न्याय और आव्रजन प्रणाली में बदलाव के लिये नई नीति की सिफारिशों का हाल में खुलासा किया था। बाइडन ने पिछले हफ्ते सीनेटर बर्नी सेंडर्स के साथ विकसित अपना एक एकता मंच बनाया था जिसमें उन्होंने बताया था कि अगर राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह क्या करेंगे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को बताया, बाइडन कट्टरवादी वामपंथी हो गए हैं, शरणार्थियों की आमद 700 प्रतिशत बढ़ाएंगे, किसी ने भी पहले कभी ऐसी चीज नहीं सुनी, कानून प्रवर्तन को खत्म कर दिया है, जैसा कि हम जानते हैं। मुझे लगता है कि पुलिस ने देश में अतुल्य काम किया है। देश में तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से 16 हफ्ते पहले ट्रंप ने रोज गार्डन में अपने लंबे संवाददाता सम्मेलन में बाइडन द्वारा पिछले हफ्ते घोषित की गई कई नीतियों के लिये उनकी आलोचना की । देश में तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से 16 हफ्ते पहले ट्रंप ने रोज गार्डन में अपने लंबे संवाददाता सम्मेलन में बाइडन द्वारा पिछले हफ्ते घोषित की गई कई नीतियों के लिये उनकी आलोचना की । ट्रंप ने आरोप लगाया, मुझे लगता है कि यह बर्नी के मंच से भी बदतर है और यह अब तक सही है। वह ऐसा कर रहे हैं क्योंकि उन्हें मतों की भीख चाहिए। बाइडन-सैंडर्स एकता मंच का मुख्य तत्व आव्रजन हिरासत को खत्म करना है ।

उन्होंने कहा, कोई हिरासत नहीं। आप यहां अवैध रूप से आइये, कोई हिरासत नहीं।

ट्रंप प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों से संबंधित वीजा नीति रद्द की

वाशिंगटन।

ट्रंप प्रशासन ने एक हैरानी भरा कदम उठाते हुए अपना वह आदेश वापस ले लिया जिसमें कहा गया था कि भारतीयों समेत हजारों उन अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वापस उनके देश भेज दिया जाएगा जिनके विश्वविद्यालय इस साल सितंबर से शुरू होने वाले अकादमिक सत्र में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण केवल ऑनलाइन कक्षाएं ही देंगे। अमेरिका के आव्रजन अधिकारियों ने छह जुलाई को एलान किया था कि उन विदेशी छात्रों को देश छोड़ना पड़ेगा या उन्हें उनके देश भेज दिया जाएगा जिनके विश्वविद्यालय सितंबर से दिसंबर तक के सेमेस्टर के दौरान केवल ऑनलाइन कक्षाएं ही देंगे। इसके खिलाफ देशभर में आक्रोश और बड़ी संख्या में शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मुकदमा दायर किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह आदेश पलट दिया है। प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय और मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (एमआईटी) समेत कई शैक्षणिक संस्थानों ने होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) को उस आदेश को लागू करने से रोकने का अनुरोध किया, जिसमें केवल ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे अंतरराष्ट्रीय छात्रों के देश में रहने पर रोक लगाने की बात की गई थी। मैसाच्युसेट्स में अमेरिकी संघीय अदालत में इस मुकदमे के समर्थन में 17 राज्य और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के साथ ही गूगल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसी शीर्ष अमेरिकी आईटी कंपनियां भी आ गई। बोस्टन में संघीय जिला न्यायाधीश एलिसन बरॉघ ने कहा, ''मुझे पक्षकारों ने सूचित किया है कि उन्होंने एक फैसला किया है। वे यथास्थिति बहाल करेंगे।'' यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए राहत लेकर आयी है, जिनमें भारत के छात्र भी शामिल हैं। अकादमिक वर्ष 2018-19 में अमेरिका में 10 लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र रह रहे थे। स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम (एसईवीपी) के अनुसार जनवरी में अमेरिका के विभिन्न अकादमिक संस्थानों में 1,94,556 भारतीय छात्र पंजीकृत थे। न्यायाधीश बरॉघ ने कहा कि यह नीति देशभर में लागू होगी। सांसद ब्रैड स्नीडर ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय छात्रों और कॉलेजों के लिए ।

इंडोनेशिया में बाढ़ से 16 लोगों की मौत, 23 अन्य लापता

जकाता । इंडोनेशिया के दक्षिणी सुलावेसी प्रांत में बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 16 लोगों की जान चली गई और अन्य 23 लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी के प्रवक्ता रादित्य जाटी ने कहा, ''राष्ट्रीय तलाश एवं बचाव एजेंसी से मिली ताजा जानकारी के अनुसार 16 लोग मारे गए हैं और हम 23 लोगों की अब भी तलाश कर रहे हैं। उत्तर लुवु जिले की अधिकारी इंदह पुतरी इन्द्राणी ने कहा कि मूसलाधार बारिश से तीन नदियों में उफान के कारण सोमवार शाम से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। उन्होंने बताया कि बाढ़ के पानी के साथ मिट्टी और बाकी चीजें सड़कों पर फैल गईं तथा हजारों घरों मेंघुसगई। बाढ़ के कारण उत्तरी लुवु जिले के छह उपजिलों में रहने वाले 4000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। जाटी ने कहा, '' प्रांतीय सड़क मिट्टी से भरी है और इससे मुख्य कमान पोस्ट तथा प्रभावित इलाकों में पहुंचने का रास्ता बाधित हो गया है। इंडोनेशिया में अक्सर भारी बारिश से भूस्खलन होते हैं। यहां लाखों लोग पहाड़ी इलाकों और डूब क्षेत्र के पास रहते हैं।

ब्रिटेन में दास कारोबारी की मूर्ति के स्थान पर लगाई अश्वेत प्रदर्शनकारी की मूर्ति

लंदन।

ब्रिटेन के ब्रिस्टल शहर में जिस स्थान पर दास कारोबारी की पहले प्रतिमा लगी थी उस स्थान पर एक कलाकार ने 'काले लोगों का जीवन मायने रखता है का प्रदर्शन कर रहे एक प्रदर्शनकारी की प्रतिमा लगाई है। प्रदर्शनकारियों ने सात जुलाई को ब्रिस्टल बंदरगाह पर लगी एडवर्ड कोलस्टॉन की प्रतिमा गिरा दी थी। उसके स्थान पर मार्क क्विन नामक एक कलाकार ने काली महिला प्रदर्शनकारी जेन रीड से मिलती जुलती प्रतिमा लगाई है। इस प्रतिमा को शीर्षक दिया गया है '' ताकत का उदय (जेन रीड) । प्रतिमा को बुधवार सुबह प्रशासन की मंजूरी के बिना लगाया गया। उल्लेखनीय है कि कोलस्टॉन 17वीं सदी का दास कारोबारी था जिसने अफ्रीका महाद्वीप से लोगों को पकड़ कर गुलाम बनाया और यूरोप एवं अमेरिका में उनकी बिक्री से बहुत अधिक कमाई की। उसने इस कमाई से ब्रिस्टल में कई स्कूलों और धमार्थ कार्यों के लिए धन दिया। ब्रिस्टल लंदन से करीब 195 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित है। अमेरिका के मिनियापोलीस में काले जॉर्ज फ्लॉयड की मई महीने में पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ पूरी दुनिया में नस्लवाद एवं दासता के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शन के तहत प्रदर्शनकारियों ने कोलस्टॉन की

मूर्ति को गिरा दिया था। क्विन ब्रिटेन के मशहूर मूर्तिकार हैं। उन्होंने कहा कि रीड ने प्रतिमा का निर्माण किया जब वह प्रतिमा स्थल के सामने खड़ी होकर हाथ उठाया, अब हम उसे मूर्त रूप दे रहे हैं। रीड ने ब्रिटिश अखबार गार्जियन से कहा कि नयी प्रतिमा अतुलनीय है और यह संवाद को जारी रखने में मदद शहर प्रशासन ने कोलस्टॉन की प्रतिमा को हटा दिया है और कहा कि उसे संग्राहलय में 'काले लोगों का जीवन भी मायने रखता है की तख्ती के साथ रखा जाएगा।

कोरोना वैक्सीन ट्रायल का पहला चरण सफल, मरीजों में बीमारी से लड़ने की बढ़ी ताकत

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया के कई देश कोरना वायरस का उपचार खोजने और इसकी वैक्सीन तैयार करने में लगे हुए हैं। इस बीच अमेरिका से राहत की खबर आई है। यहां की मोडेर्ना कंपनी का कहना है कि उसकी कोरना वैक्सीन ट्रायल के अपने पहले चरण में सफल रही है और जांच में सामने आया है कि इस दवा से मरीजों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ रही है। अमेरिकी शोधकर्ताओं के मुताबिक पहले चरण में 45 स्वस्थ स्वयंसेवकों पर यह ट्रायल किया जा रहा है। ट्रायल के तौर पर जिन लोगों को वैक्सीन की दो खुराक दी गई, उनमें वायरस को मारने वाले एंटीबॉडी उच्च मात्रा में पाए गए हैं। इस टीके का परीक्षण अब अंतिम चरण में है। अमेरिकी सरकार में संक्रामक रोगों के शीर्ष विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फॉसी ने कहा कि ''निश्चित ही यह एक अच्छी खबर है।'' न्यू इंग्लैंड जर्नल में छपे शोध के मुताबिक कोविड-19 से ठीक होने वाले इन मरीजों से औसतन ज्यादा एंटीबॉडी बनी है। ट्रायल की सबसे खास बात यह है कि किसी भी स्वंयसेवक में किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है हालांकि इनमें थकावट, सरदर्द, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द और इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द जैसे लक्षण देखे गए। ऐसा ज्यादातर उन लोगों में देखा गया, जिन्होंने दो या दो से ज्यादा खुराक ली। इस टीके को नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ ऐंड मॉडर्ना इंक में डा. फॉसी के सहकर्मियों ने विकसित किया है। इस प्रायोगिक टीके के परीक्षण की दिशा में 27 जुलाई के आसपास एक अहम कदम उठाया जाएगा जब 30,000 लोगों पर यह पता लगाने के लिए कि शोध होगा कि यह टीका कोरोना वाायरस से बचाव में कितना प्रभावशाली है। जानकारों का कहना है कि वैक्सीन की जरूरत इसलिए है ताकि इस महामारी को खत्म किया जा सके, कोरोना वायरस की वजह से करोड़ो लोग संक्रमित हैं और साढ़े पांच लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस महामारी को खत्म किया जा सके, कोरोना वायरस की वजह से करोड़ो लोग संक्रमित हैं और साढ़े पांच लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मोडेर्ना पहली ऐसी कंपनी है, जिसने कोरोना वैक्सीन का मानव परीक्षण 16 मार्च को शुरू किया था। वायरस के जेनेटिक सीक्वेंस जारी होने के 66 दिन बाद ही मोडेर्ना ने कोरोना की वैक्सीन बना ली थी और उसका परीक्षण शुरू कर दिया था। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिसीज के निदेशक डॉ एंटॉनी फोसी ने इसे अच्छी खबर बताया है।

उन्होंने कहा कि वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ है, इससे ऊंचे स्तर की एंटीबॉडी बनेगी। डॉ एंटॉनी ने कहा कि अगर आपकी वैक्सीन ठीक हुए मरीजों की तुलना में अधिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है तो यह जीत की बात है। इस घोषणा के बाद मोडेर्ना के शेयर में 15 फीसदी का उछाल देखा गया। अमेरिकी सरकार मोडेर्ना वैक्सीन को समर्थन दे रही है। इसके लिए सरकार ने करीब 50 अरब डॉलर दिए हैं।

मुश्किल में फंसे जिम्बाब्वे के लोग, कारों से सामान बेचकर कर रहे गुजारा

हरारे। जिम्बाब्वे में कारें चलते-फिरते बाजार का रूप ले चुकी हैं जहां कारोबारी कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्था के दौर में अपने सामान वाहनों से बेच रहे हैं। राजधानी हरारे में सड़कों पर ऐसी खुली कारें दिख जाएंगी जिनमें रंग-बिरंगा सामान सजाया गया है। ऐसी ही एक मर्सीडीज में चावल, चीनी और मोमबत्तियों के पैकेट के साथ बच्चों के कपड़े, सफेल कंबल बड़े करीने से बेचने के लिए सजाकर रखे गये हैं। इस तरह से बिना लाइसेंस के फेरी लगाना अवैध है और पुलिस ने कुछ फेरीवालों को गिरफ्तार भी किया है लेकिन फिर भी सड़कों पर बड़ी संख्या में ऐसे विक्रेता दिख जाएंगे। मैकेनिक की नौकरी छूटने के बाद शेल्टन मरांजे सब्जियां बेचने को मजबूर हो गए। वह सुबह से निकलते हैं और अंधेरा होने तक जगह-जगह जाकर सब्जियां बेचते हैं। कोरोना वायरस संकट शुरू होने से पहले से जिम्बाब्वे की अर्थव्यवस्था खराब चल रही थी। लोग रोजगार के अभाव और पानी, बिजली तथा गैस की कमी के संकट से जूझ रहे थे। इस वर्ष यहां की अर्थव्यवस्था में दस फीसदी से अधिक की गिरावट आने की आशंका है। पहले से खराब चल रही अर्थव्यवस्था और अब कोरोना वायरस के कारण लगी पाबंदियों के चलते यहां चल रहे गिने चुने उद्योग और कंपनियां भी या तो बंद हो गए या फिर उनमें से लोगों को निकाला जा रहा है। तो बंद हो गए या फिर उनमें से लोगों को निकाला जा रहा है। तो बंद हो गए या फिर उनमें से लोगों को निकाला जा रहा है। जिम्बाब्वे नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अनुमान के मुताबिक, संगठित क्षेत्र की 25 फीसदी नौकरियां जा सकती हैं। जिम्बाब्वे कांग्रेस ऑफ ट्रेड यूनियन्स के अध्यक्ष पीटर मौटासा के मुताबिक आंकड़े इससे अधिक हो सकते हैं।

भारत का चीन को स्पष्ट संदेश- सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए किया जाए सभी प्रोटोकॉल का पालन

नई दिल्ली।

भारतीय सेना ने करीब 15 घंटे तक चली बाचतीत में चीनी सेना को यह ''स्पष्ट संदेश दिया है कि पूर्वी लद्दाख में आवश्यक तौर पर पूर्व स्थिति बहाल की जाए और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर उसे शांति एवं स्थिरता वापस लाने के लिये सीमा प्रबंधन के लिये सहमति वाले सभी प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दोनों देशों की थल सेनाओं के वरिष्ठ कमांडरों के बीच गहन एवं जटिल बातचीत बुधवार तड़के दो बजे तक चली। इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को ''लक्ष्मण रेखा से भी अवगत कराया और कहा कि क्षेत्र में संपूर्ण स्थिति बेहतर करने की व्यापक रूप से जिम्मेदारी चीन पर है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाने के अगले चरण के तौर तरीके पर सहमत हुए और सहमति वाले बिंदुओं पर दोनों पक्षों के उच्च प्राधिकारियों के बीच चर्चा के बाद एक-दूसरे से संपर्क में रहने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल स्तर के चौथे चरण की वार्ता एलएसी के भारतीय सीमा के अंदर चुशुल में एक निर्धारित बैठक स्थल पर मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई थी। हालांकि, वार्ता के नतीजों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृतव लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने किया, जो लेह स्थित 14 वीं कोर के कमांडर हैं। जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व मेजर जनरल लियु लिन ने किया, जो दक्षिण शिंजियांग सैन्य क्षेत्र के कमांडर हैं। थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे को बातचीत के विवरण से अवगत कराया गया, जिसके बाद उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ चर्चा की। बाद में, आज कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ अन्य बैठक करने का उनका कार्यक्रम है। पांच मई को शुरू हुए तनावपूर्ण गतिरोध के बाद से दोनों सेनाओं के बीच मंगलवार की चर्चा सबसे लंबी बातचीत थी। लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की बातचीत का तीसरा चरण 30 जून को 12 घंटे तक चला था। इस चरण के दौरान, दोनों पक्ष गतिरोध खत्म करने के लिये ''तीव्र, चरणबद्ध और कदमवार रूप से प्राथमिकता के आधार पर तनाव कम करने पर सहमत हुए थे। सूत्रों ने बताया कि नये चरण की बातचीत में मुख्य जोर पैंगोंग सो और देपसांग जैसे टकराव वाले सभी स्थानों से ''समयबद्ध एवं सत्यापित किये जाने योग्य सैनिकों को हटाने तथा तनाव और अधिक घटाने के लिये ।

एलएससी पर 'रियर बेस से काफी संख्या में सैनिकों एवं हथियारों को पीठे हटाने की प्रक्रिया के लिये एक रूपरेखा को अंतिम रूप देना है। उन्होंने बताया, ''चीन को यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उसे दोनों पक्षों द्वारा सीमा प्रबंधन संचालित करने के लिये बनी सहमतियों और प्रोटोकॉल के सभी संबद्ध प्रावधानों का पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि भारत ने पूर्वी लद्दाख के सभी इलाकों में पांच मई से पहले की स्थिति को बहाल करने पर भी जोर दिया है, जब पैंगोंग सो में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प के बाद गतिरोध शुरू हुआ था। सूत्रों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में चीन के नये दावों पर भी अपनी चिंताओं से अवगत कराया और जोर देते हुए कहा कि बीजिंग को इलाकों में गश्त करने के लिये शुरूआती रूपरेखा का अवश्य ही पालन करना होगा। टकराव के स्थानों से सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया के प्रथम चरण के क्रियान्वयन के दो दिनों बाद यह बातचीत हुई है। चीन ने गोगरा, हॉट स्प्रिंग और गलवान घाटी से अपने सैनिकों को पीछे हटाने का काम पूरा कर लिया है।

साथ ही उसने भारत की मांग के अनुरूप पैंगोग सो इलाके में फिंगर फोर की रिजलाइन में अपनी मौजूदगी कर दी है। परस्पर सहमति वाले फैसले की तर्ज पर दोनों पक्षों ने ज्यादातर टकराव वाले स्थानों पर तीन किमी का एक बफर जोन भी बनाया है। सैनिकों को पीछे करने की औपचारिक प्रक्रिया छह जून को शुरू हुई थी। उल्लेखनीय है कि पांच मई से आठ हफ्तों में पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच सख्त गतिरोध रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन का चीन को डबल झटकाः हुवावे पर बैन के बाद अब साउथ चाइना सी में एयरक्राफ्ट तैनाती की तैयारी

लंदन। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव के मद्देनजर अब ब्रिटेन ने भी चीन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ब्रिटेन ने देश के मोबाइल प्रोवाइडरों पर 31 दिसंबर के बाद से चीनी कंपनी हुवावे से कोई उपकरण ख़रीदने पर पाबंदी के बाद अब साउथ चाइना सी में रॉयल नेवी का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ तैनात करने का ऐलान किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एचएमएस क्वीन को पूरे फ्लीट के साथ चीन की समुद्री सीमा पर अमेरिका और जापान के समुद्री बेड़े के साथ तैनात किया जाएगा। यह एयरक्रफ्ट कैरियर साउथ चाइना सी में जारी तनाव के बीच अमेरिका और जापान की सेना के साथ इस इलाके में बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास भी करेगा। उधर हुवावे बैन के फ़ैसले की जानकारी हाउस ऑफ़ कॉमन्स को देते हुए तकनीकी मामलों के मंत्री ओलिवर डाउडेन ने बताया कि इस बैन लागू करने से देश भर में 5जी की व्यवस्था मुहैया कराने में एक साल की देरी होगी। इतना ही नहीं इस फ़ैसले से देश पर दो अरब पाउंड का अतिरिक्त बोझ भी बढ़ेगा।

मंगोलिया में किशार की बुबोनिक प्लेग से मौत

बीजिंग। पश्चिमी मंगोलिया में 15 वर्षीय एक किशोर की बुबोनिक प्लेग से मौत हो गई। देश की सरकारी समाचार एजेंसी 'मॉन्टसेम' के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि प्रयोगशाला में जांच में किशोर की प्लेग से मौत की पुष्टि हुई है। एक मर्मोट (गिलहरी की जाति का एक जन्तु) से वह संक्रमित हुआ था। इस मामले के सामने आने के बाद सरकार ने गोबी-अल्ताई प्रांत के एक हिस्से में अवरोधक लगा आवाजाही बाधित कर दी है। 'मॉन्टसेम' ने कहा कि किशोर के सम्पर्क में आए 15 लोगों को भी पृथक कर दिया गया है। इस बीच, चीन की आधिकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने कहा कि मंगोलिया के उत्तरी क्षेत्र में प्लेग से संक्रमित एक मरीज की हालत बेहतर हो रही है। एजेंसी ने कहा कि उसके सम्पर्क में आए 15 लोगों को भी रविवार को पृथक केन्द्र से छुट्टी दे दी गई।

कोरोना से जंग जीत चुके मरीजो को लेकर हुआ चौंकाने वाला खुलासा, वैज्ञानिकों की बढ़ी टेंशन

बीजिंग। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर तेजी से बढ़ता जा रहा है और दुनियाभर में इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 1.33 करोड़ के पार पहुंच गई है जबकि मृतकों की संख्या पांच लाख 78 हजार से ऊपर हो गई है। हालांकि इससे संक्रमित लोग तेजी से ठीक भी हो रहे हैं। इसी बीच वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों की इम्युनिटी हमेशा के लिए बरकरार नहीं रहती। कुछ ही महीनों में इन लोगों की इम्युनिटी अपने आप कम हो जाती है। बताया जा रहा है जो लोग इस महामारी से ठीक हो जा रहे हैं, उनके अंदर कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बन जा रही है। वहीं, उनके प्लाज्मा के जरिए अन्य संक्रमित भी ठीक हो रहे हैं। ये तो हुए पॉजिटिव पहलू, लेकिन हाल में हुए एक शोध अध्ययन की रिपोर्ट थोड़ी चिंता बढ़ाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक जो लोग इस कोरोना वायरस से ठीक हो चुके हैं, वे कुछ महीने बाद फिर से संक्रमित हो सकते हैं। वैज्ञानिकों के दुनियाभर से जुटाए आंकड़ो के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। इस अध्ययन में, किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक टीम ने 90 से अधिक कोरोना वायरस मरीजों में एंटीबॉडी के स्तर की जांच की और इसके साथ ही उन्होंने समय के साथ इसमें आए बदलावों का भी अध्ययन किया। उन्होंने इन मरीजों का ब्लड टेस्ट भी किया।

हुवावेई को 5जी नेटवर्क से अलग रखने के ब्रिटेन के फैसले का अमेरिका ने किया स्वागत

वाशिंगटन। अमेरिका ने ब्रिटेन के हुवावेई पर भविष्य में 5जी नेटवर्क में शामिल होने पर रोक लगाने की योजना का मंगलवार को स्वागत किया। ब्रिटेन ने 2027 तक देश के 5जी नेटवर्क को हुवावेई मुक्त बनाने की घोषणा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि दुनिया के देशों को इस मुद्दे पर अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा, ''इस फैसले के साथ ब्रिटेन भी उन देशों की सूची में शामिल हो गया है जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की खातिर ऊंचे जोखिम और विश्वास की कमी वाली इकाइयों पर रोक लगाई है।'' अमेरिका ने कहा कि वह एक सुरक्षित और गतिशील 5जी नेटवर्क के लिये ब्रिटेन के साथ मिलकर काम करता रहेगा। यह समूचे अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि के लिये महत्वपूर्ण है। व्हाइट हाउस में रोज गार्डन प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कई देशों को इस बारे में विश्वास में लिया है कि वह हुवावेई का इस्तेमाल नहीं करें।

अयोध्या मामलाः अब नेपाली विदेश मंत्री का विवादित बयान, कहा-रिसर्च से बदल जाएगा रामायण का इतिहास

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

चीन के उकसावे में नेपाल की भारत विरोधी गतिविधियां हद से पार बढ़ती जा रही हैं। नक्शा विवाद के बाद अब नेपाल अयोध्या को लेकर ऊटपटांग बयान दे रहा है। नेपाली प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के अयोध्या पर दिए विवादित बयान की नेपाल से लेकर भारत तक हर तरफ आलोचना हो रही है। नेपाली विदेश मंत्रालय ने ओली के बया जहां सफाई दी, वहीं अब नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवली भी ओली का साथ देते हुए दावा कर रहे हैं कि रिसर्च से अयोध्या का इतिहास बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि हम लोग अभी तक केवल विश्वास के आधार पर ही सभी बातों को मानते हैं। नेपाली विदेश मंत्री ने कहा, हमें अब तक यही बताया गया है कि सीता का जन्म जनकपुर में हुआ और राम का जन्म अयोध्या में हुआ, लेकिन जिस दिन अध्ययन से नए तथ्य मिल जाएंगे, रामायण का इतिहास बदल जाएगा। ज्ञवाली ने एक साक्षात्कार में कहा कि जिस तरह महात्मा बुद्ध को लेकर लिखित इतिहास है, वैसा रामायण के साथ नहीं है। विदेश मंत्री ज्ञवली ने कहा, रामायण सभ्यता की पुरातात्विक अध्ययन की पुष्टि के लिए अभी पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने ने कहा कि रामायण में जिन स्थानों को लेकर वर्णन किया गया है, उसको लेकर भारत और नेपाल के चर्चा चल रही है। अभी इसके सांस्कृतिक भूगोल को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। विदेश मंत्री रिसर्च की बात कर रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के उपाध्यक्ष बाम देव गौतम ने ओली से अयोध्या पर दिए बयान को वापस लेने की मांग की है। इससे पहले नेपाली विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि ओली का इरादा किसी की आस्था को चोट पहुंचाना नहीं था। नेपाली विदेश मंत्रालय ने ओली के बयान पर लीपापोती करते हुए कहा, प्रधानमंत्री की टिप्पणी किसी राजनीतिक विषय से जुड़ी नहीं है। उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था और न ही अयोध्या के सांकेतिक महत्व और सांस्कृतिक मूल्य का अपमान करना था। मंत्रालय ने अपनी सफाई में कहा कि श्री राम और उनके स्थान से जुड़े कई मिथक और संदर्भ हैं। पीएम ओली सांस्कृतिक भौगोलिकता, रामायण के फैक्ट को लेकर अध्ययन और रिसर्च के महत्व पर प्रकाश डाल रहे थे।

कानपुर में युवक का अपहरणः

प्रियंका ने बोला योगी सरकार पर हमला, कहा-यही है यूपी की कानून व्यवस्था

नयी दिल्ली/लखनऊ(एजेंसी)।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कानपुर में एक युवक के अपहरण की घटना को लेकर योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि इससे आसानी से राज्य की क़ानून-व्यवस्था का अनुमान लगाया जा सकता है। श्रीमती वाड्रा ने बुधवार को कहा कानपुर में बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर लिया था। अपहरण करने वालों ने परिवार से फिरौती मांगी। परिवार ने मकान और शादी के जेवर बेचकर 30 लाख रुपये इकट्ठा किए। पुलिस के कहने पर परिजनों ने पैसे से भरा बैग भी अपहरणकर्ताओं के हवाले कर दिया और पुलिस न तो बदमाशों को पकड़ सकी और न ही उनका बेटा छुड़ा सकी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिछले दिनों बदमाश विकास दुबे के आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के कारण चर्चा में रहे इस शहर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा ये उसी कानपुर का मामला है जहां कुछ दिनों पहले इतनी बड़ी घटना घटी थी। अब आप यूपी की कानून व्यवस्था का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं।

गर्भवती महिला के पॉजिटिव आने के बाद साम्बा का बाड़ियाँ गांव भी बना हॉट स्पॉट

साम्बा । जिले के बाड़ियाँ (सुपवाल) में कोरोना संक्रमण का एक मामला सामने आने के बाद इस गांव को भी प्रशासन द्वारा कंटेनमेंट जोन (हॉट स्पॉट) घोषित कर दिया। इससे पहले गत दिवस साम्बा के सुम्ब गांव को भी प्रशासन ने हॉट स्पॉट घोषित किया था। बताया गया है कि बाड़ियाँ गांव की एक गर्भवती कोरोना पाजिटिव पाई गई जिसके बाद गांव को फौरन कंटेनमेंट जोन में बदल दिया गया। प्रसव से महिला का अनिवार्य कोविड टेस्ट किया गया था जिसकी आज रिपोर्ट आने पर वह कोरोना संक्रमित पाई गई। पहले निजी लैब में इसका टेस्ट करवाया गया था जो पाजिटिव आया था। बाद में प्रशासन द्वारा इसका टेस्ट करवाया गया, जिसकी रिपोर्ट भी आज पॉजिटिव आई। रिपोर्ट आने के बाद जिला मेजिस्ट्रेट के निर्देश पर गांव की तारबंदी कर दी गई है और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। गांव में एक कंट्रोल रूम स्थापित कर पीसीबी के डिविजनल अधिकारी अंग्रेज सिंह को बतौर नोडल अधिकारी तैनात किया गया है। कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग की दस टीमें बनाई गई हैं जो घर-घर जाकर सर्वे करेंगी। वहीं साम्बा जिले में आज 29 लोग कोरोना पाजिटिव पाए गए जिसके साथ कुल संक्रमितों का आंकड़ा 300 के पास पहुंच गया है। ठंडी खुई में हुई सेंपड्क्षलग के बाद आज इनकी रिपोर्ट्स आने पर संक्रमण की पुष्टि हुई है। पॉजिटिव पाए गए लोगों में एक स्वास्थ्य विभाग की स्टाफ नर्स भी है ।

शुक्रवार से पत्नीटॉप में नहीं मना पाएंगे पिकनिक

जम्मू । उधमपुर जिले में प्रशासन ने शुक्रवार से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पटनीटॉप में पिकनिक मनाने के लिए आम लोगों को आने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। होटल में पहले से बुकिंग कराने वालों को ही आने की अनुमति होगी । केंद्रशासित प्रदेश में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच सैलानियों की संख्या नियंत्रित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उधमपुर के जिलाधिकारी पीयूष सिंगला ने कहा कि पहले से होटल में बुकिंग करा चुके लोगों को ही पटनीटॉप जाने की अनुमति दी जाएगी। पटनीटॉप, जम्मू से करीब 112 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जम्मू क्षेत्र में उमस और गर्मी से राहत पाने के लिए लोग यहां छुट्टियां मनाने आते हैं । सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो सामने आए हैं जिसमें छुट्टी मनाने के लिए यहां आने वाले लोगों को कोविड-19 के दिशा-निर्देशों और सामाजिक दूरी के नियमों का उल्लंघन करते हुए देखा गया। पिछले सप्ताह पार्क और उद्यानों को खोलने की सरकार की घोषणा के बाद सप्ताहांत पर भारी संख्या में यहां लोग पहुंचे थे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के भी प्रमुख सिंगला ने कहा कि बिना मास्क लगाए घूमते पाए जाने पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा ।

मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

मौसम विभाग ने मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश की आशंका जताई है। ढ्ढस्ढ्ढ ने महाराष्ट्र के तटीय जिलों के लिए ऑरेंज चेतावनी जारी की है और कहा है कि अलग-अलग इलाकों में भारी बरसात का अंदेशा है। ढ्ढस्ढ्ढ ने मुंबई, ठाणे, पालघर और महाराष्ट्र के तटीय जिलों में अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। ढ्ढस्ढ्ढ के मुंबई केंद्र ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग के साथ-साथ पश्चिमी महाराष्ट्र के पुणे के लिए भी है। कोल्हापुर, सतारा, औरंगाबाद और जालना के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि ऑरेंज और येलो अलर्ट मंगलवार और बुधवार के लिए महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और कोंकण क्षेत्रों के लिए जारी किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग में भारी बारिश की आशंका है। मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में भी मूसलाधार बारिश हो सकती है। दिल्ली में बारिश की राह देख रहे लोगों के हाथ मायूसी ही लग रही है। बारिश नहीं होने की वजह से मौसम उमस भरा है जिससे नगरवासियों को परेशानी हो रही है। सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतम तापमान अगले कुछ दिनों में 30-40 डिग्री के आसपास रहेगा। इस दौरान हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में समय से पहले मानसून पहुंचने के बावजूद बारिश कम हुई है। शहर में 46 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। पूर्वोत्तरी राज्य मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में 89,000 से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों ने बताया

कि ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जिनजीराम ऊफान पर है। जिला उपायुक्त राम सिंह ने बताया कि स्थिति खराब है।

तीन ब्लॉक- तिकरीकिल्ला, डेमडेमा और सेलसेल्ला प्रभावित हैं... हालात पर नजर रखी जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि कम से कम 16,400 घरों की 89,000 से ज्यादा की आबादी बाढ़ से प्रभावित है।

खुशखबरी- भारत में बनी कोरोना दवा, इंसानों को दी गई पहली डोज

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारतीय दवा निर्माता कंपनी जाइडस कैडिला ने कोरोना वायरस के संभावित टीके का ह्यूमन ट्रायल शुरू कर दिया है।

कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी कि प्री क्लिनिकल टॉक्सिटी ट्रायल में जाइकोव-डी का उसका संभावित वैक्सीन जाइकोव-डी सुरक्षित पाया गया। कंपनी ने पहले और दूसरे चरण के मानव परीक्षण के तहत का पहला डोज आज दिया है। इसका मानव परीक्षण 1,000 व्यक्तियों पर किया जाएगा। कंपनी के अध्यक्ष पंकज आर पटेल ने आज बताया कि कोरोना के खिलाफ जंग में यह बड़ा कदम है। जाइकोव-डी ने इस महीने की शुरुआत में यह घोषणा की थी कि अहमदाबाद के वैक्सीन टेक्नोलॉजी सेंटर में विकसित जाइकोव-डी का प्रीक्लिनिकल ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और उसे भारतीय औषधि महानियंत्रक से पहले और दूसरे चरण के मानव परीक्षण की मंजूरी मिल गई है।

चीन ने भूटान में जहां जताया था अपना अधिकार, भारत अब वहां बनाएगा सड़क

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

चीन ने भूटान में जिस जगह अपना अधिकार जताया था, अब वहां भारत सड़क बनाएगा। बता दें कि भूटान के येती क्षेत्र पर चीन ने हाल ही में अपना अधिकार जताया था। इस सड़क के बनने से भारत को रणनीतिक तौर पर फायदा होगा क्योंकि यह चीन की सीमा से लगती हुई निकलेगी। इससे गुवाहाटी और अरुणाचल प्रदेश के तवांग की दूरी 150 किलोमीटर घट जाएगी। इस सड़क के जरिए भारत चीन से कई गुना ज्यादा तेजी से अपनी सीमाई इलाकों में फौज तैनात कर सकता है। सिर्फ तवांग ही नहीं, बल्कि पूरे भूटान के पूरे पूर्वी इलाके और उत्तर पूर्वी राज्यों की चीन से सटी सीमाओं पर सेना जल्दी पहुंच सकती है। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के अनुसार, भारत सरकार ने बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन को सड़क बनाने का काम सौंप दिया है। यह सड़क तवांग के पास स्थित लुमला को भूटान के त्राशीगांग से जोड़ेगा। यहां से थिंपू नजदीक हो जाएगा। साथ ही भारतीय सीमा भी। इससे भारत और भूटान की सुरक्षा बढ़ जाएगी। साथ ही कनैक्टिविटी भी बढ़ेगी।

इन तीन राज्यों में कोरोना के 5.30 लाख मामले, डराने वाले हैं मौत के आंकड़े

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है और इससे प्रभावित शीर्ष तीन राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली में अब तक इसके सक्रमण से कुल 5,30,335 लोग पीड़ति हो चुके हैं, जो देश में इस वायरस की चपेट में आई कुल आबादी का 56.64 प्रतिशत है। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 6,741 नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 2,67,665 पर पहुंच गया है। संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंचे तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के मामले 4,526 बढ़कर 1,47,324 पर पहुंच गये हैं तथा राजधानी दिल्ली में अब तक 1,15,343 लोग कोरोना की चपेट में आये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 29,429 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 9,36,181 हो गयी है। इससे पहले तीन दिन तक लगातार 28 हजार से अधिक मामले सामने आये थे। पिछले 24 घंटों के दौरान 582 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 24,309 हो गई है। संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान 20,572 रोगी स्वस्थ हुए हैं जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 5,92,032 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। देश में अभी कोरोना संक्रमण के 3,19,840 सक्रिय मामले हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी की स्थिति अब कुछ नियंत्रण में है और यहां संक्रमण के मामलों में वृद्धि की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। राजधानी में अब तक 1,15,343 लोग कोरोना की चपेट में आये हैं तथा इसके कारण मरने वालों की संख्या 3446 हो गयी है। यहां 93,236 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। दक्षिण का राज्य कर्नाटक संक्रमितों की संख्या के मामले में गुजरात को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में 44,077 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 842 लोगों की इससे मौत हुई है। राज्य में 17,390 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। देश का पश्चिमी राज्य गुजरात संक्रमण के मामले में पांचवें स्थान पर आ गया है, लेकिन मृतकों की संख्या के मामले में यह महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद तीसरे स्थान पर है। गुजरात में 43,637 लोग वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 2,069 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 30,503 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के अब तक 39,724 मामले सामने आए हैं ।

तथा इस महामारी से 983 लोगों की मौत हुई है जबकि 24,983 मरीज ठीक हुए हैं। दक्षिण के एक और राज्य तेलंगाना में भी कोरोना संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। तेलंगाना में कोरोना संक्रमितों की संख्या 37,745 हो गयी है और 375 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 24,840 लोग अब तक इस महामारी से ठीक हो चुके है।

लाश की फोटो खींच रहा था फोटोग्राफर, तभी जिंदा हो गया मुर्दा

नेशनल डेस्क। केरल के एर्नाकुलम में एक फोटोग्राफर के साथ उस समय अजीबो-गरीब वाकया हो गया जब वो एक लाश की फोटो खींच रहा था। दरअसल फोटोग्राफर पुलिस की कागजी कार्रवाई के लिए एक मृत व्यक्ति की तस्वीरें ले रहा था, तभी अचानक उसे कुछ आवाजें सुनाई दीं। फोटोग्राफर को शक हुआ तो वो मृत व्यक्ति के पास गया। मृत व्यक्ति के मुंह से बड़ी धीमी आवाज आ रही थी। फोटोग्राफर दौड़कर पुलिस के पास गया और सारी बात बताई। इसके बाद उस शख्स को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है। एर्नाकुलम जिले के कालामस्सेरी इलाके की एदाथाला पुलिस ने एक मर गए शख्स की तस्वीरें लेने के लिए फोटोग्राफर टोमी थॉमस को बुलाया। जिस शख्स को मरा हुआ समझा जा रहा था उसका नाम सिवादासन है। सिवादासन पलक्कड़ में कालामस्सेरी के पास एक किराए के घर में अकेला रहता है। रविवार को कोई सिवादासन से मिलने उसके घर गया। उसे लगा कि सिवादासन मर गया है। उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी मान लिया कि सिवादासन मर चुका है। पुलिस ने 48 वर्षीय टोमी थॉमस को बुलाया जो पिछले 25 सालों से पुलिस विभाग के लिए ऐसी फोटोग्राफी कर रहे हैं। थॉमस ने बताया कि जब वह सिवादासन के घर में पहुंचा तो वो मुंह के बल गिरे पड़े थे और सिर से खून निकल रहा था। कमरे में ज्यादा रोशनी नहीं होने के कारण थॉमस सिवादासन की तरफ झुके ताकि उनके पीछे दीवार पर लगे लाइट स्विच को दबा सके। तभी सिवादासन के बुदबुदाने की आवाज आई। थॉमस ने कहा कि उन्होंने दो बार सिवादासन के पास जाकर कान लगाकर सुना। सिवादासन के मुंह से ऐसी आवाजें आ रही थीं जैसे कोई नींद में बोलता है। तभी थॉमस पुलिस के पास गए और बताया कि यह शख्स जिंदा है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना -19 : जून के मुकाबले दिल्ली में हालात बेहतर, केजरीवाल ने बताया कैसे थमा कोरोना

नेशनल डेस्क। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना -19 -19 की स्थिति जून के मुकाबले अब बेहतर है, लेकिन वायरस के खिलाफ जंग अभी तक जीती नहीं गई है। ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं हो सकते हैं। हमें अपनी तैयारियां जारी रखनी होगी। केजरीवाल ने कहा कि कोरोना -19 के खिलाफ लड़ाई में उनकी सरकार का पहला सिद्धांत यह है कि यह लड़ाई अकेले नहीं जीती जा सकती है, यही कारण है कि आप सरकार सभी से सहयोग चाहती है वह चाहे केंद्र सरकार हो, होटल हों या फिर अन्य संगठन। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जून के मुकाबले कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति बेहतर है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अभी 18,600 लोगों का इलाज चल रहा है। सिर्फ 4,000 बिस्तरों पर मरीज भर्ती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार रोजाना 20,000-23,000 जांच कर रही है।

जौनपुरः पूर्व बाहुबली सांसद उमाकांत यादव के पुत्र समेत 11 पर लगा गैंगेस्टर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पूर्व बाहुबली सांसद उमाकांत यादव के पुत्र दिनेशकान्त यादव समेत 11 लोगों पर गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की गयी है । इन पर गैंग बना कर अवैध शराब का धंधा करने का आरोप है। जिला मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार सिंह ने यहां कहा कि सुरेश सोनकर,धनन्जय यादव, मनीष कुमार यादव,अंकित उपाध्याय,पंकज सिंह,प्रतीक सिंह, नियाज, रीता जायसवाल, दिनेश कांत यादव ,सूरज और एक अन्य पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है ।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में भाजपा कार्यकर्ता का अपहरण

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को एक भाजपा कार्यकर्ता का कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगरपालिका समिति वतरगाम के उपाध्यक्ष मेराजुद्दीन मल्ला का जिले के रफियाबाद इलाके के मरजीगुंड में कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया। वह उस समय सोपोर जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और भाजपा कार्यकर्ता की तलाश शुरु कर दी है। कुछ दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों ने भाजपा नेता शेख वसीम बारी, उनके भाई और पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राम माधव के दावे को किया खारिज

श्रीनगर । नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर की क्षेत्रीय पार्टियां राजनीतिक गतिविधियों के लिए तैयार नहीं हैं। इसने कहा कि माधव की टिप्पणी केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक शून्य की परोक्ष स्वीकृति है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता आगा सईद रुहुल्लाह मेहदी ने एक बयान में कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस भाजपा के महासचिव राम माधव के दावे को खारिज करती है। यह जम्मू-कश्मीर में व्यापक अस्थिरता, असुरक्षा और राजनीतिक शून्य की एक परोक्ष स्वीकृति है। माधव ने रविवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर वे राजनीति करना चाहते हैं तो उन्हें ट्वीट करने की बजाय लोगों के बीच जाना चाहिए।

आतंकी हमले में मारे गये वसीम बारी के परिवार को उप राज्यपाल ने दी 20 लाख की मद्द

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू बांदीपुरा जिले में आतंकी हमले में मारे गए भाजपा नेता शेख वसीम बारी के परिवार से मुलाकात करने मंगलवार को उनके घर पहुंचे। हमले में बारी के पिता और भाई की भी मौत हो गई थी। एक बयान के मुताबिक, उपराज्यपाल ने मृतक के आश्रितों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान, मुर्मू ने हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अपराधियों को हर हाल में कानून के दायरे में लाया जाएगा।

पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एलओसी के पास अग्रिम इलाके में गोलीबारी की

जम्मू । पाकिस्तानी सैनिकों ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम इलाके में गोलीबारी की । रक्षा प्रवक्ता ने कहा,पाकिस्तानी सेना ने रात लगभग पौने आठ बजे जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एलओसी के पास बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी और मोर्टार दागकर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की । पिछले शनिवार को पुंछ जिले में एलओसी के पास पाकिस्तान की गोलीबारी में दो महिलाओं की मौत हो गयी थी। पाकिस्तानी सेना द्वारा जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर संघर्षविराम के उल्लंघन में दस महिलाओं की मौत हो गयी थी। पाकिस्तानी सेना द्वारा जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर संघर्षविराम के उल्लंघन में दस जुलाई को एक सैनिक शहीद हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार–समाचार

उपजिलाधिकारी भी हुए कोरोना संक्रमित

भदोही (एजेसी)। जिले में तैनात एक उप जिलाधिकारी भी कोरोना संक्रमित हो गये हैं। इस कारण तहसील परिसर को सील कर दिया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी लक्ष्मी सिंह ने बताया कि भदोही के उप जिलाधिकारी समेत दो लोगों के सैम्पल बुधवार को कोविड–19 जांच में पॉजिटिव पाये गये हैं। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि भदोही तहसील परिसर को तीन दिनों के लिए सील कर दिया गया है। पूरे परिसर को सेनेटाइज कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में कोविड–19 संक्रमण के अब तक कुल 220 मामले सामने आ चुके हैं। उनमें से आठ की मौत हो चुकी है। वहीं, 147 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं।

खंभे से टकरायी बाइक दो युवकों की मौत

प्रतापगढ़ (एजेसी)। जिले के उदयपुर थानाक्षेत्र के रहुआ लालगंज में बुधवार को तेज रफ्तार बाइक के अनियंत्रित होकर खंभे से टकरा जाने से दो युवकों की मौत हो गयी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी दिनेश द्विवेदी ने बताया कि धर्मेश सरोज (25) और रोहित सरोज (26) बाइक से तेज रफ्तार से जा रहे थे कि रहुआ लालगंज के निकट वाहन अनियंत्रित हो गया और खंभे से जा टकराया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में धर्मेश और रोहित गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्हें तत्काल चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दंपति की हत्या

बिजनौर (एजेसी)। घर में सो रहे पति–पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। जानकारी के अनुसार स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव बिशनपुरा में शिवकुमार शर्मा (45) और उनकी पत्नी ऊषा (40) के शव बुधवार सुबह खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। पुलिस ने बताया कि पड़ोस में ही रहने वाले युवक मनुदत्त शर्मा ने 22 अप्रैल 2018 को शिवकुमार को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस मामले में मनु को जेल भेजा गया था। बताया जाता है कि अब मनु शिवकुमार पर समझौता करने का दबाव बना रहा था। पुलिस मनु को ही आरोपी मानकर जांच कर रही है। पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर से कुचलकर बुजुर्ग किसान की मौत

बांदा (एजेसी)। जिला मुख्यालय में कचहरी के पास मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बुजुर्ग किसान को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गयी है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार दोपहर झांसी–मिर्जापुर राजमार्ग पर कचहरी से सटे संकटमोचन मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान मटौंध क्षेत्र के अछरौंड गांव निवासी किसान भोला (65) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि किसान कचहरी का काम निपटाकर अपने गांव जाने के लिए टैक्सी स्टैंड जा रहे थे, तभी हादसा हुआ। भीड़ ने ट्रैक्टर चालक की पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

तीन पुलिसकर्मी निलंबित

बलरामपुर (एजेसी)। जिले में तैनात तीन पुलिसकर्मियों को डियूटी के दौरान गैर हाजिर रहकर दायित्वों का निर्वहन न कर लापरवाही बरतनें के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से बुधवार को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिये हैं। जानकारी के मुताबिक नगर कोतवाली मे तैनात मुख्य आरक्षी अमरनाथ यादव, पुलिस लाइन्स में तैनात आरक्षी राजेश कुमार गुप्ता और उतरौला कोतवाली मे तैनात आरक्षी गोविंद प्रसाद वर्मा बिना अनुमति करीब एक सप्ताह से डियूटी से गायब चल रहे थे। शिकायत मिलने के बाद जांच में आरोप सही मिलने पर तीनों पुलिस कर्मियों को पुलिस अधीक्षक रंजन वर्मा नें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिये गये हैं।

आगरा व झांसी के नगर आयुक्त समेत छह आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश सरकार ने छह आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए। मंगलवार देर रात जारी सूची के मुताबिक आगरा व झांसी के नगर आयुक्तों को हटा दिया गया है। झांसी के नगर आयुक्त को नाराजगी के चलते प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। नियुक्ति विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अरुण प्रकाश नगर आयुक्त नगर निगम आगरा को विशेष सचिव सचिवालय प्रशासन बनाया गया है और मनोज कुमार नगर आयुक्त नगर निगम झांसी को प्रतीक्षारत कर दिया गया है। सीडीओ झांसी निखिल टीकाराम फुंडे को आगरा नगर निगम का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। इसी तरह अवनीश कुमार राय सीडीओ श्रावस्ती को नगर निगम झांसी का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। शैलेश कुमार ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कन्नौज को सीडीओ झांसी और कुमार हर्ष ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चंदौली को सीडीओ श्रावस्ती के पद पर तैनाती दी गई है।

गांव की बहू–बेटियों पर गंदी नजर रखता था विकास दुबेः शशिकांत

कानपुर (एजेसी)। कानपुर के बिकरू गांव में 8 पुलिसवालों की हत्या के मामले में प्रतिदिन राज खुलते जा रहे हैं। हाल में कानपुर नरसंहार में वांछित 50 हजार का इनामी शशिकांत पांडे ने बताया कि विकास दुबे की गांव की हर बहू–बेटी पर गंदी नजर रहती थी। शशिकांत ने बताया कि उस रात एनकाउंटर में मारे गए विकास दुबे, अमर दुबे, प्रभात मिश्रा, प्रेम प्रकाश पांडे (शशिकांत के पापा), अतुल दुबे और बऊआ ने गोली चलाई थी। उन्होंने बताया कि उसने भी गोली चलाई थी, क्योंकि उसे विकास दुबे ने आर्डर दिया था। उसने यह भी बताया कि उसके घर में ही सीओ देवेंद्र मिश्रा, चौकी इंचार्ज और एक सिपाही की हत्या की गई थी। उसने बताया कि बेरहमी से उन्हें मार दिया गया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद अपराधी शशिकांत को कानपुर देहात की माती कोर्ट में पेश किया। इसके बाद अपराधी शशिकांत को जेल भेजा गया। पुलिस ने शशिकांत के घर से पुलिस के लुटे गए इंसास राइफल व कारतूस बरामद की है। दूसरी तरफ, पत्नी मनु पांडे और मां ने बेटे शशिकांत को निर्दोष बताया है। पत्नी ने कहा कि घर की तीन–तीन बार तलाशी ली गई कोई असलहा नहीं मिला। उसके पति निर्दोष हैं और जांच में सब पता चल जाएगा। पत्नी ने कहा कि पुलिस झूठ बोल रही है। मैं तो खुद चाहती थी कि मेरा पति गिरफ्तार हो जाए, क्योंकि जांच के बाद निर्दोष मिलने पर छूट जाएंगे।

शिक्षकों को नयी विधाओं का प्रशिक्षण मिले–राज्यपाल आनंदीबेन

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि आज के समय में शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर चल रहे क्रिया–कलापों, नये आविष्कारों और शोध कार्यों के विषय में अद्यतन होने के लिए उनसे सक्रिय सम्पर्क बनाये रखना होगा। उन्होंने कहा कि समय–समय पर शिक्षकों को नई विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। इसके लिये वांछित उपकरण व सामग्री से सुसज्जित प्रशिक्षण सुविधाओं का सृजन भी आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रशिक्षण की ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि ज्ञानार्जन व ज्ञानवर्धन में अवरोध पैदा न हो।

राज्यपाल श्रीमती पटेल बुधवार को यहां राजभवन से उत्तर प्रदेश पण्डित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उपक्रम 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के अन्तर्गत 23.75 करोड़ रूपये लागत की 'संस्थागत विकास योजना' का ऑनलाइन शुभारम्भ किया। इस मौके पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि यह योजना शिक्षण की गुणवत्ता के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने के बाद कृषि विद्यार्थी सरकारी सेवायोजन की प्रतीक्षा व आकांक्षा ही न करता रहे, बल्कि उद्यमशील बने, जो न केवल ग्रामीण कृषक की आजीविका में सहायक होंगे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी सकारात्मक योगदान दे सकेंगे। विद्यार्थियों को अपने कृषि ज्ञान का प्रयोग स्वयं के खेत में करके दूसरों को रोजगार देने का भी कार्य करना चाहिए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पशुपालन कृषकों के लिए अधिक लाभप्रद हो, इसके लिये इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की संख्या एवं गुणवत्ता में वृद्धि करने की आवश्यकता है। पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों को न केवल पशु चिकित्सक बल्कि पशुपालन से

जुड़ी प्रत्येक विधा के विशेषज्ञ तैयार करने के साथ–साथ उन्नतिशील किस्म के दुधारू पशुधन भी तैयार करने होंगे। इसके साथ ही पशुपालन को रोजगार से भी जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि पशुपालन सीमित कृषि योग्य भूमि की चुनौती का सामना करने में बहुत सहायक होगी और किसानों की आय को दोगुना करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

राज्यपाल ने कहा कि किसान अन्न तो पैदा करता है लेकिन बेचने पर कतई ध्यान नहीं देता है। लाभकारी मूल्य प्राप्त करने के लिए किसानों को किसान उत्पादक संगठन को अपनाना होगा।यह संगठन किसानी सोच को किसान व्यापारी सोच में परिवर्तित करता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान को अपने आप को बदलना होगा और किसान से किसान व्यापारी बनना ही होगा। इससे किसान अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त कर अपनी आय बढ़ा सकता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, दुग्ध विकास एवं पशुधन मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के निदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जीके सिंह तथा अन्य लोग ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

बिकरू कांड के विवेचनाधिकारी किए गए क्वॉरेंटीन,जांच अधिकारी बदला

कानपुर (एजेसी)। कानपुर के बिकरू गांव में पिछले दिनों आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले की तफ्तीश कर रहे पुलिस अधिकारी को क्वॉरेंटीन किये जाने के कारण प्रकरण की जांच दूसरे अफसर को सौंप दी गयी है। जानकारी के मुताबिक नवाबगंज के थानाध्यक्ष रमाकांत पचैरी ने पिछली 10 जुलाई तक बिकरू कांड मामले की विवेचना की थी, मगर प्रकरण के मुख्य अभियुक्त विकास दुबे को उज्जैन से लाते वक्त उनके साथ गाड़ी में मौजूद एक सिपाही के कोविड–19 संक्रमित पाये जाने के बाद पचैरी को भी क्वॉरेंटीन किया गया। लिहाजा अब उनसे जांच लेकर रेल बाजार के थानाध्यक्ष डीबी तिवारी को यह जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होंने मामले से जुड़े दस्तावेज प्राप्त कर लिये हैं। उनसे कहा गया है कि वह मामले की जांच स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से करते हुए आरोप पत्र जल्द से जल्द दाखिल करें। प्रवक्ता ने बताया कि पचैरी ने बिकरू कांड की जांच गत 10 जुलाई तक की थी। उसी दिन सुबह इस मामले का मुख्य अभियुक्त गैंगस्टर विकास दुबे एसटीएफ के साथ कथित मुठभेड़ में मारा गया था। दुबे को उज्जैन से लेकर कानपुर आ रही पुलिस की गाड़ी में बैठा एक सिपाही 11 जुलाई की शाम आयी जांच रिपोर्ट में कोविडकृ19 का मरीज पाया गया था। उसी गाड़ी में पचैरी भी थे, लिहाजा उनके क्वॉरेंटीन होने की वजह से जांच का काम रुक गया था।

लॉकडाउन की खबरों का योगी सरकार ने किया खण्डन

हफ्ते में पांच दिन हर हाल में खुलेंगे बाजार

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर लॉकडाउन की वापसी की चर्चाओं और अपवाहों का योगी सरकार ने खण्डन किया है। सरकार ने कोविड–19 के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर बिहार तथा देश के कई अन्य राज्यों में फिर से लॉकडाउन किये जाने के बीच बुधवार को साफ किया कि सूबे में कोई लॉकडाउन नहीं लागू होने जा रहा। इसके स्थान पर हर जिले में बाजार हफ्ते में पांच दिन हर हाल में खुलेंगे। प्रदेश के गृह एवं सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनलॉक की प्रक्रिया की समीक्षा के दौरान यह पाया कि कुछ जिलों में सोमवार से शुक्रवार को बाजारों को अब भी बंद करने का आदेश दिया गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि सभी जिलाधिकारी, मुख्य सचिव और शासन की ओर से दिये गये आदेश का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार हर जिले में बाजार हफ्ते में पांच दिन हर हाल में खुले रहेंगे। किसी भी सूरत में पांच दिन बाजार सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक खुलने में कोई विपरीत परिस्थिति सामने नहीं आयेगी। मुख्यमंत्री का यह आदेश ऐसे वक्त आया है जब पड़ोसी राज्य बिहार में कोविडकृ19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 16 से 31 जुलाई तक फिर से लॉकडाउन घोषित करने का फैसला किया गया है। इसके अलावा कर्नाटक समेत देश के करीब 12 राज्यों के विभिन्न इलाकों में स्थानीय स्तर पर आवश्यकतानुसार लॉकडाउन लागू किया जा रहा है। माना जा रहा था कि उत्तर प्रदेश में भी तेजी से बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर यहां भी लॉकडाउन फिर लागू किया जा सकता है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश में हर शनिवार और रविवार को साफ–सफाई का विशेष अभियान चलाया जाएगा। राज्य निर्धारित मानक से नीचे की प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इसके प्रति सबको निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री का मानना है कि प्लास्टिक पर बैन लगाने से स्वच्छता पर भी अच्छा असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश कोविड टेस्टिंग के मामले में अब तक सिर्फ तमिलनाडु और महाराष्ट्र से पीछे है। हालांकि इन राज्यों के मुकाबले उत्तर प्रदेश में संक्रमण के मामले कई गुना कम हैं। गाजियाबाद में इसी माह एक नयी को. विड टेस्टिंग लैब स्थापित की जाएगी। जल्द ही रोजाना 50 हजार टेस्ट होंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि टेस्टिंग के मामले में उत्तर प्रदेश को इस माह के अंत तक शीर्ष पर पहुंचाया जाए। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कानपुर नगर, अमरोहा, लखनऊ और झांसी में विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। पुलिसकर्मियों में संक्रमण को लेकर मुख्यमंत्री ने खास तौर से कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा है कि पुलिस को ग्लब्ज, मास्क और सैनेटाइजर मिले। साथ ही बैरकों का प्रोटोकॉल अपनाया जाए।

जांच के बाद पूर्ति निरीक्षक ने कोटेदार के खिलाफ कराया मामला दर्ज

सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजा जा रहा खाद्यान्न कोटेदार की मनमानी के चलते नहीं बांटे जाने का आरोप

ललितपुर (एजेसी) महामारी के इस दौर में सरकार द्वारा गरीब पात्र लाभार्थियों के लिए खाद्यान्न और मिट्टी का तेल इसलिए भेजा जा रहा है कि वह महामारी के चलते अच्छी तरह अपना जीवन यापन कर सकें ।

लेकिन भ्रष्ट कोटेदार द्वारा खाद्यान्न को ग्रामीणों में नहीं बांट कर उसकी कालाबाजारी की जा रही थी । जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा अधिकारियों से की गई अधिकारियों ने पूर्ति निरीक्षक को भेजकर पूरे मामले की जांच करवाई तो उसमें स्पष्ट हो गया कि कोटेदार भ्रष्ट है और खाद्यान्न की कालाबाजारी करने में लगा हुआ है ।

हाल ही में ताजा मामला कोतवाली महरौनी के अंतर्गत ग्राम जरिया का है। जिस के संबंध में पूर्ति निरीक्षक महरौनी अखिलेश कुमार तिवारी पुत्र अशोक कुमार तिवारी ने कोतवाली महरौनी पुलिस को तहरीर देकर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जरिया निवासी उचित दर विक्रेता परमानंद पर आरोप लगाया कि कोटेदार द्वारा ग्रामीणों को सरकारी कोटे का खाद्यान्न तथा मिट्टी का तेल सही तरह से वितरित नहीं किया जाता।

इतना ही नहीं जो खाद्यान्न और मिट्टी का तेल गांव के पात्र गरीबों के लिए सरकार द्वारा भेजा जाता है उस खाद्यान्न और मिट्टी के तेल की कोटेदार द्वारा कालाबाजारी की जाती है। कोतवाली महरौनी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जिला पूर्ति निरीक्षक की तहरीर के आधार पर आरोपी कोटेदार के खिलाफ 3/7 ईसी एक्ट में मामला पंजीकृत कर कार्यवाही की है।

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौपा

क्रांति समय सुरत

बस्ती (एजेसी)। भारतीय किसान यूनियन बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष फूलचन्द चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने शारीरिक दूरी का पालन करते हुये उप जिलाधिकारी को सम्बोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन उनके स्टेनों को सौंपा । 7 सूत्रीय ज्ञापन में बस्ती तहसील क्षेत्र के किसानों को वर्ष 2019–20 में गेहूं के बीज का अनुदान खाते में दिलाये जाने, फसल बीमा की धनराशि उपलब्ध कराने, अत्यधिक बरसात के कारण अनेक किसानों की फसल डूब गई है उसका आकलन कराकर क्षतिपूर्ति दिलाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, गिरे

हुये विद्युत पोलों को सही कराने, मिट्टी तेल की व्यवस्था सुनिश्चित करने, जनपद के चीनी मिलों पर गन्ना किसानों के बकाये का व्याज समेत भुगतान कराये जाने, पुरैना गनेशपुर मार्ग एनएच 28 पर रवई नदी पर बने मोतीशिला की ध्वस्त सड़क का निर्माण कराये जाने, जब तक किसानों का गन्ना, गेहूं, धान का भुगतान न हो जाय उनसे बैंकों, बिजली आदि की वसूली न कराये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों में राधेश्याम गौड़, लवकुश पाल, गनीराम, त्रिवेनी चौधरी, राम महीपत चौधरी, रामसूरत, रामतिलक, प्रेमचन्द्र आदि शामिल रहे।

ब्राम्हणों की सामूहिक हत्या के विरोध में एसएलएफ ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती (एजेसी)। सवर्ण लिबरेशन फ्रंट के संयोजक दीन दयाल त्रिपाठी के संयोजन में बुधवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को 6 सूत्रीय ज्ञापन भेजकर एटा और प्रयागराज में ब्राम्हणों की हत्या, कानपुर में ब्राम्हणों के उत्पीड़न, छात्रों की दशमोत्तर एवं समस्त छात्रों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दिये जाने की मांग किया। ज्ञापन सौंपते हुये एसएलएफ के राष्ट्रीय संयोजक दीनदयाल त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार छात्रों की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति नहीं दे रही है। 2017 से ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। यही नहीं ब्राम्हण समाज के लोगों की सामूहिक हत्याओं पर सरकार चुप्पी साधे हुये है। जानबूझकर उन्हें न्याय दिलाने में तंत्र आना कानी कर रहा है। इन सवालों को लेकर एसएलएफ जागरूकता अभियान चलाना जारी रखेगा। राज्यपाल को भेजे 6 सूत्रीय ज्ञापन में वर्ष 2017 से अब तक पात्र दशमोत्तर

छात्र वृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की भरपाई कराये जाने, एससीएसटी एक्ट का दुरूपयोग बंद किये जाने, कोरोना लॉक डाउन के कारण मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण सभी शिक्षण संस्थानों के सभी कक्षाओं के छात्रों का शुल्क प्रतिपूर्ति 6 माह की सरकार की ओर से भरपाई या माफ कराये जाने, सभी बैंकों के तीन माह की ईएमआई एवं 6 माह के बिजली का बिल माफ कराये जाने, मध्यम वर्गीय परिवारों के तीन माह के सभी प्रकार के टैक्स को माफ किये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों में उमेश पाण्डेय 'मुन्ना' कमलेश दुबे, मनीष मिश्रा, लकी मिश्रा, के.एल. तिवारी, दिलीप दूबे, अजय, मुरलीधर मिश्रा, विष्णु पाल उर्फ नन्हें पाल, प्रमोद पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, हरिओम आदि शामिल रहे।

तालाब में नहाते समय चार बच्चे डूबे

क्रांति समय सुरत

जौनपुर (एजेसी)। जिले के सुजानगंज क्षेत्र में बुधवार को तालाब में नहाने गये चार बच्चे डूब गये, जिससे दो सगे भाईयों की मृत्यु हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से बीमार हो गये। जानकारी के मुताबिक सुजानगंज क्षेत्र के भीलमपुर गांव निवासी चार बच्चे पास के तालाब में नहाने गये थे। स्नान समय चारों गहरे पानी में चले जाने से डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर गांव के लोग पहुंचे और चारों को बाहर निकाला। इस दौरान आनन–फानन में परिजन प्रतापगढ़ के सीएचसी गौरा अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने दो सगे भाइयों युवराज सिंह (13) तथा उमंग सिंह (10) को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो बच्चों सोम सिंह व उसके बड़े भाई कार्तिकेय सिंह को प्रतापगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

ननिहाल आए दो बच्चों की सर्पदंश से मौत

क्रांति समय सुरत

जौनपुर (एजेसी)। जिले की मछली शहर कोतवाली क्षेत्र के तिलोरा गांव में ननिहाल आए दो बच्चों की सर्पदंश से मृत्यु हो गई। जानकारी के मुताबिक मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के तिलोरा गांव निवासी प्रेम चंद्र सरोज की बेटियां मायके आई थीं। मंगलवार की शाम को उनका नाती जिगर (05) और अंशिका (06) रसोईं के पास खेल रहे थे। इसी दौरान पास में रखे ईंट व उपली में बैठे सांप ने जिगर को डस लिया। जिगर के पैर से खून निकलता देख पहले तो परिवार वाले कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन जब अंशिका से पूछा तो उसने उपले की तरफ इशारा कर दिया। तभी उसी में से निकले एक सांप ने अंशिका को भी डस लिया। मामला समझते ही परिजन दोनों बच्चों को लेकर मछलीशहर सीएचसी पहुंचे। वहां इंजेक्शन लगाने के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर बुलाए गए सपेरे ने सांपों को पकड़ कर जंगल में छोड़ दिया।

आगरा व झांसी के नगर आयुक्त समेत छह आईएएस अफसरों का तबादला

क्रांति समय सुरत

लखनऊ (एजेसी)। प्रदेश सरकार ने छह आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए। मंगलवार देर रात जारी सूची के मुताबिक आगरा व झांसी के नगर आयुक्तों को हटा दिया गया है। झांसी के नगर आयुक्त को नाराजगी के चलते प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। नियुक्ति विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अरुण प्रकाश नगर आयुक्त नगर निगम आगरा को विशेष सचिव सचिवालय प्रशासन बनाया गया है और मनोज कुमार नगर आयुक्त नगर निगम झांसी को प्रतीक्षारत कर दिया गया है। सीडीओ झांसी निखिल टीकाराम फुंडे को आगरा नगर निगम का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। इसी तरह अवनीश कुमार राय सीडीओ श्रावस्ती को नगर निगम झांसी का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। शैलेश कुमार ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कन्नौज को सीडीओ झांसी और कुमार हर्ष ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चंदौली को सीडीओ श्रावस्ती के पद पर तैनाती दी गई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी ने चाकू घोंपकर पति की हत्या की नाजायज संबंधों की आशंका

क्रांति समय सुरत

गांधीनगर (एजेसी) गांधीनगर में एक महिला ने अपने पति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर के सेक्टर 26 में कुछ समय पहले किराए के मकान में रहने आए वाकजी नरबतभाई चौधरी सेक्टर 17 स्थित एक प्रिन्टिंग प्रेस में नौकरी करते थे। वाकजी और उसकी पत्नी उमिया एक–दूसरे को पसंद नहीं करते थे।

उमिया अपने मायके में रहने की जिद करती थी, जिसकी वजह से दोनों के बीच आए दिन लड़ाई हुआ करती थी। ढाई साल के वैवाहिक जीवन में रोज रोज लड़ाई झगड़े ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया उमिया ने रात एक बजे वाकजी चौधरी की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी उमिया चौधरी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। आशंका जताई जा रही है कि नाजायज संबंधों के चलते पति–पत्नी के बीच लड़ाई झगड़ा होता था।

प्राइवेट स्कूल के शिक्षक ने 14 वर्ष की किशोरी से वॉशरूम में किया दुष्कर्म

क्रांति समय सुरत

खेडा (एजेसी) नडियाद स्थित एक स्कूल में किशोरी से दुष्कर्म की चौंकाने वाली घटना सामने आई हैद्य गत दिसंबर महीने की इस घटना में प्राइवेट स्कूल का एक शिक्षक 14 साल की किशोरी को वॉशरूम में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

लंबी खामोशी के बाद किशोरी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक खेडा जिले की नडियाद स्थित यूरो स्कूल में बतौर शिक्षक सेवारत मनीष पाउल परमार गत दिसंबर 2019 में स्कूल की एक मासूम छात्रा को जबरन लड़कों के वॉशरूम में खींच ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

बाद में छात्रा को किसी से शिकायत नहीं करने की धमकी भी दीद्य शिक्षक की हैवानियत डरी किशोरी लंबे समय तक खामोश रहीद्य घटना के बाद लगातार गुमसूम पुत्री को देख परिवार के इसकी वजह पूछने पर उसने आपबीती सुना दी।

जिसे सुनकर परिवार के लोग चौंक उठे और नडियाद रूरल पुलिस थाने में मनीष परमार के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया।

कोरोना कहर : 31 जुलाई तक मोरबी में चाय और पान–मसाले की दुकानें बंद

क्रांति समय सुरत

मोरबी (एजेसी) सौराष्ट्र में कोरोना कहर बढ़ते देख प्रशासन इसके संक्रमण की रोकथाम दिशा में कई उठा रहा है ।

और इसके अंतर्गत अनलॉक–2 में दी गई रियायतें वापस लेने लगा हैद्य मोरबी जिला कलेक्टर ने एक अधिसूचना जारी कर चाय–नाश्ता और पान–मसाले की दुकानें आगामी 31 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है। कलेक्टर जेबी पटेल की आदेश के मुताबिक पान, गुटखा और तम्बाकू की बिक्री केवल पार्सल के जरिए की जा सकेगी।

साथ ही दुकान पर दो व्यक्तियों के बीच कम से कम छह फूट की दूरी अनिवार्य है।

एक साथ किसी भी दुकान में एक ही समय चार से अधिक व्यक्ति जमान नहीं होने और दुकानदार को सोशल डिस्टेंसिंग की व्यवस्था में एक व्यक्ति को रखना होगाद्य आदेश के मुताबिक सार्वजनिक स्थलों पर पान, गुटखा और तम्बाकू के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

चाय–नास्ते की दुकान बंद रखनी होगी। कलेक्टर का आदेश मोरबी शहर और जिले दोनों में 31 जुलाई तक अमल में रहेगाद्य जिले की सभी तहसीलदार कचहरी स्थित जनसेवा केन्द्र और जोनल ऑफीसों में सीमित सेवाएं जारी रहेंगी।

इसके अलावा सभी कामकाज लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बंद रखने का आदेश दिया गया है।

गुजरात ने कौशल वर्धन से युवा शक्ति को बनाया सक्षमः मुख्यमंत्री

कुशल मानवबल मुहैया कराने के 'प्रोजेक्ट संकल्प' की श्री विजय रूपाणी ने की ई–लॉन्चिंग

अहमदाबाद (एजेसी)द्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बुधवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कौशल समिट के वेबिनार में साफ कहा कि गुजरात ने युवा शक्ति के कौशल वर्धन के जरिए उसे विश्व की चुनौतियों का सामना कर सकने में सक्षम बनाने का श्रेष्ठ कार्य किया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि कौशल एक ऐसा सक्षम माध्यम है जिससे युवा शक्ति को सामर्थ्यवान, हुनर–कौशल से संपन्न बनाकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने इस वेबिनार के अवसर पर राज्य के श्रम एवं रोजगार विभाग के 'प्रोजेक्ट संकल्प' की भी ई–लॉन्चिंग श्रम एवं रोजगार मंत्री दिलीप कुमार ठाकोर की उपस्थिति में की। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य उद्योग के माध्यम से उद्योग के द्वारा औद्योगिक विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान कर उद्योगों की जरूरत के आधार पर मानवबल तैयार कर और राज्य के युवाओं को रोजगार मुहैया कराकर आत्मनिर्भर योजना को गति देना है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की शक्ति, सामर्थ्य और कौशल को नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से पांच वर्ष पहले स्किल इंडिया मिशन की शुरुआत की थी। स्किल इंडिया मिशन की सफलता के चलते स्थानीय और विश्व दोनों ही स्तरों पर युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करने के अवसर में बढ़ोतरी हुई है। रूपाणी ने कहा कि 65 फीसदी युवा आबादी के साथ भारत दुनिया का सर्वाधिक युवा देश है, तब गुजरात के युवाओं के भविष्य को उत्कृष्ट बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गुजरात देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां बेरोजगारी की दर देश में सबसे कम अर्थात 3.4 फीसदी है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास एक एकीकृत प्रक्रिया है जिसमें रोजगार के साथ शिक्षा का समन्वय कर कुशलता की तालीम प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के युवाओं को कौशल विकास के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य 'मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना' की शुरुआत की गई है। आज राज्य में 46 हजार से अधिक प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो गुजरात के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ रहा है, ऐसे में गुजरात कोरोना महामारी के संदर्भ में सतर्कता से आगे बढ़ रहा है। कोरोना संक्रमणकाल में विद्यार्थियों तथा युवाओं की पढ़ाई पर असर न पड़े इसके लिए घर बैठे अभ्यास की अभिनव पहल गुजरात ने की है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान 700 सुपरवाइजर इंस्ट्रक्टर्स द्वारा 12 विभिन्न ट्रेड के लिए 2 हजार घंटे से अधिक ई–लर्निंग मटीरियल तैयार किया गया है, साथ ही प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थी के लिए परीक्षा की संपूर्ण तैयारी के लिए 10 हजार एमसीक्यू की प्रश्नावली तैयार की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए सभी से 'वोकल फॉर लोकल' बनने का अनुरोध करते हुए उन्होंने देश में उपलब्ध कौशल के अवसरों का व्यापक लाभ लेने का युवाओं से आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने नवीन पर्व के लिए नवीन प्राण चाहिए पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा शक्ति के नवाचार विचारों को स्किल+विल+जिल बराबर विन के प्रधानमंत्री के मंत्र के साथ साकार करने के लिए गुजरात ने स्किल डेवलपमेंट मिशन और स्किल यूनिवर्सिटी जैसे समयानुकूल आयाम भी अपनाए हैं। वेबिनार में श्रम एवं रोजगार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विपुल मित्रा, रोजगार एवं तालीम विभाग के निदेशक सुप्रित सिंह गुलाटी, डीएचसी के पीटर कुक, पीडिलाइट्स के पी.के. शुक्ला तथा इलेट्स टेक्नोमीडिया के प्रतिनिधि एवं युवा भी जुड़े थे।

फ्री लांस महिला पत्रकार के साथ दुष्कर्म के आरोप में डॉक्टर गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेसी) शहर में एक फ्री लांस महिला पत्रकार के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई हैद्य महिला पत्रकार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक डाक्टर को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में बतौर फ्री लांस पत्रकार काम कर रही एक महिला ने पूर्व पुलिस थाने में एक डॉक्टर के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। महिला पत्रकार का आरोप है कि उसके उपचार के लिए डॉक्टर ने अन्य एक डॉक्टर से मुलाकात कराने के लिए जून महीने में पूर्वी अहमदाबाद की होटल में ले गया था।

जहां उसके साथ डॉक्टर ने दुष्कर्म कियाद्य जानकारी के मुताबिक सोशल मीडिया के जरिए महिला पत्रकार और डॉक्टर के बीच संपर्क हुआ था और उसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई।

महिला पत्रकार 20 सालों से मानसिक रूप से बीमार है और उसके उपचार में काफी खर्चा कर चुकी है।

महिला पत्रकार के मुताबिक ऑर्थोपेडिक डॉक्टर कनु पटेल ने अपने डॉक्टर दोस्त से मुलाकात कराने के बहाने नरोडा की एक होटल में बुलाया था।

जहां उसके साथ कनु पटेल ने दुष्कर्म किया।

महिला पत्रकार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी डॉ. कनु पटेल को गिरफ्तार कर लिया है

और महिला का मेडिकल कराने समेत होटल और दोनों के बीच हुई बातचीत की कॉल डिटेइल प्राप्त करने की दिशा में कवायद तेज की है।

दूसरी ओर आरोपी डॉक्टर ने खुद को निर्दोष बताया है।

पश्चिम रेलवे की 9049 मालगाड़ियों द्वारा 18.64 मिलियन टन माल का परिवहन

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) देश में 22 मार्च, 2020 से घोषित पूर्ण लॉकडाउन और वर्तमान में जारी आंशिक लॉकडाउन के दौरान कठिनतम चुनौतियों के बावजूद, पश्चिम रेलवे ने 13 जुलाई, 2020 तक मालगाड़ियों के 9049 रेक लोड करके सराहनीय कार्य किया है, जिनमें पीओएल के 990, उर्वरकों के 1445, नमक के 500, खाद्यान्नों के 94, सीमेंट के 653, कोयले के 361, कंटेनरों के – 4395 और सामान्य माल के 42 रेक सहित कुल 18.64 मिलियन टन आवश्यक सामग्री उत्तर पूर्वी क्षेत्रों सहित देश के विभिन्न राज्यों में भेजी गई। इनके अलावा मिलेनियम पार्सल वैन और मिल्क टैंक वैगनों के 398 रेक दवाइयों, चिकित्सा किट, जमे हुए भोजन, दूध पाउडर और तरल दूध जैसी आवश्यक सामग्री की मांग के अनुसार आपूर्ति के लिए उत्तरी और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में भेजे गये। कुल 17761 फ्रेट ट्रेनों को अन्य क्षेत्रीय रेलों के साथ जोड़ा गया, जिनमें 8873 ट्रेनें सौंपी गईं और 8888 ट्रेनों को पश्चिम रेलवे के विभिन्न इंटरचेंज पॉइंट्स पर ले जाया गया। इस अवधि के दौरान, जम्बोके 1184 रेक, ठव्च्छ के 624 रेक और ठज्च्छ के 511 रेकों सहित महत्वपूर्ण आवक रेकों की अनलोडिंग पश्चिम रेलवे के

विभिन्न स्टेशनों पर मजदूरों की कमी के बावजूद सुनिश्चित की गई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 23 मार्च से 13 जुलाई, 2020 तक मुख्य रूप से अपनी 396 पार्सल विशेष गाड़ियों के माध्यम से, पश्चिम रेलवे द्वारा 75 हजार टन से अधिक वजनवाली वस्तुओं का परिवहन किया गया, जिनमें कृषि उपज, दवाइयां, मछली, दूध आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। इस परिवहन के ज़रिये होनेवाली कमाई लगभग 23.98 करोड़ रुपये रही। इस अवधि के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा 57 दूध विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई गईं, जिनमें लगभग 43 हजार टन का भार था और वैगनों के 100: उपयोग से लगभग 7.39 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ। इसी तरह, 28 हजार टन से अधिक भार वाली 329 कोविड –19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी विभिन्न आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए चलाई गईं, जिनके द्वारा अर्जित राजस्व 14.43 करोड़ रुपये से अधिक रहा। इनके अलावा, 4355 टन भारवाले 10 इंडेंटेड रेक भी लगभग 100: उपयोग के साथ चलाए गए, जिनसे 2.16 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। पश्चिम रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों के लिए समयबद्ध पार्सल विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन का सिलसिला लगातार जारी रखा है। इसी क्रम में 14 जुलाई, 2020 को तीन पार्सल स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से रवाना हुईं, जिनमें बांद्रा टर्मिनस – लुधियाना; देवास दृ कानपुर सेंट्रल विशेष ट्रेनें शामिल हैं। एक विशेष दूध रेक पालनपुर से हिंद टर्मिनल के लिए रवाना हुई। इस बीच एक महत्वपूर्ण निर्णय में, ट्रेन नम्बर 00901 / 00902 बांद्रा टर्मिनस दृ लुधियाना पार्सल विशेष ट्रेन जो पहले ही अधिसूचित हो चुकी है, को अब 16 जुलाई, 2020 से जम्मूतवी तक चलाने का निर्णय लिया गया है।

इसी तरह, वापसी दिशामें, यह ट्रेन जम्मूतवी से 18 जुलाई, 2020 से निर्धारित परिचालन दिवसों पर निकलेगी। इस ट्रेन को दोनों दिशाओं में लुधियाना स्टेशन के बाद जालंधर कैंट में ठहराव दिया गया है।

Get Instant Car Insurance

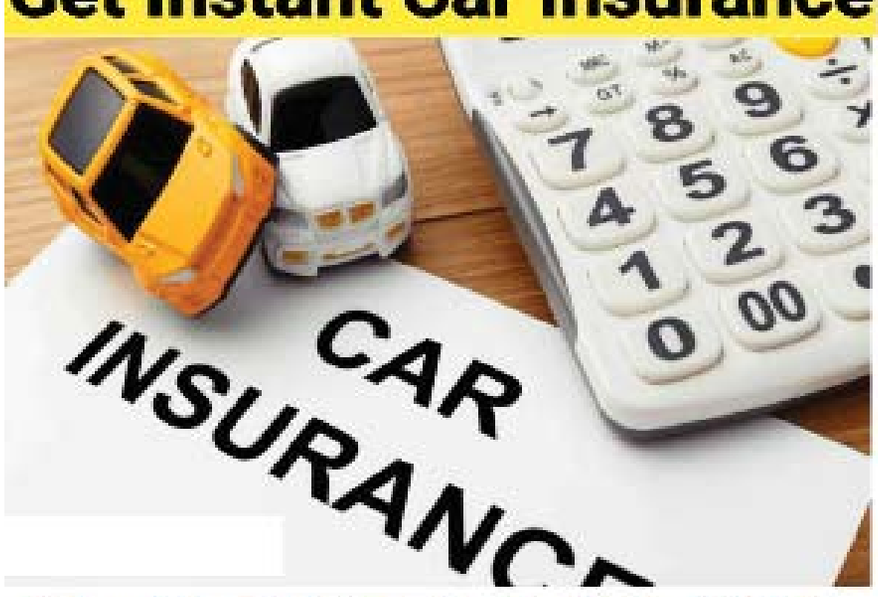

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

बसपा फिर भाजपा से करेगी गठजोड़

अहमदाबाद (एजेसी)। राजनीतिक हलकों में अटकलें हैं कि मायावती की बहुजन समाज पार्टी उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी साल सितंबर में गुजरात के उपचुनाव होने हैं। बीएसपी स्टेट यूनिट ने यह फैसला किया है कि उपचुनाव में पार्टी सभी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। बीएसपी के उम्मीदवार कांग्रेस का नुकसान करेंगे और भाजपा को फायदा होगा। बीएसपी स्टेट यूनिट ने उम्मीदवारों को चुनाव में खड़ा करने की घोषणा कर दी है और अब सीटों के लिए उम्मीदवारों की खोज हो रही है। बीएसपी की मुखिया मायावती दलितों की नेता मानी जाती हैं। उपचुनाव में वह कांग्रेस के दलित वोटों में सेंधमारी करेंगी।

तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी बीएसपी

2017 के गुजरात चुनाव में बीएसपी तीसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी थी। बीएसपी को यहां भाजपा और कांग्रेस के बाद सबसे ज्यादा वोट मिले थे, जबकि नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी चौथे नंबर पर रही थी। बीएसपी उम्मीदवारों को 2,06,768 वोट मिले थे जबकि एनसीपी के उम्मीदवार सिर्फ 1,84,813 वोट ही पाने में कामयाब रहे थे। 2017 में बीएसपी ने चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। गधाडा के उम्मीदवार को 443, कर्जन के उम्मीदवार को 1101, लिम्बडी के 2652 और अबडासा के उम्मीदवार को 1398 वोट मिले थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)